करवा चौथ आज, भोपाल में 8:26 पर निकलेगा चांद

दैनिक मध्य स्वर्णिम

भोपाल, इंदौर, उज्जैन एवं नर्मदापुरम से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर... | वर्ष - 01 | अंक-91 | पृष्ठ-08 | मूल्य-₹01 | www.madhyaswarnim.com

मासूमों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, जनहित याचिका पर आज होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा बच्चों की मौत का मामला

नई दिल्ली (मध्य स्वर्णिम)।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया। अदालत ने दवा सुरक्षा तंत्र में जांच और व्यवस्थागत सुधार की मांग वाली याचिका पर आज सुनवाई करने का फैसला किया है।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता और याचिकाकर्ता विशाल तिवारी की दलीलों पर विचार करते हुए कहा कि यह मामला गंभीर है और तत्काल सुनवाई योग्य है।याचिका में इन घटनाओं की अदालत की निगरानी में जांच और एक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति के गठन का अनुरोध किया गया है। इसके

अलावा, याचिका में कहा गया है कि जहरीली कफ सिरप से बच्चों की मौत से जुड़े सभी एफआईआर और जांचों को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए, ताकि पूरे देश में जांच एक समान और निष्पक्ष रूप से की जा सके।याचिकाकर्ता ने कहा है कि अलग-अलग राज्यों में जांच होने से जवाबदेही बिखर जाती है, जिससे बार-बार ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और खतरनाक दवाएं बाजार में पहुंच जाती हैं।

श्रीसन फार्मा कंपनी का मालिक गिरफ्तार

'कोल्ड्रिफ'कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए श्रीसन मेडिकल्स के मालिक एस रंगनाथन को गिरफ्तार किया है। इससे पहले छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तमिलनाडु के चेन्नई की श्री सन फार्मास्यूटिकल कंपनी के मालिक रंगनाथन पर 20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। अब पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया है।छिंदवाड़ा के एसपी अजय पांडे ने बताया कि श्रीसन फार्मा के मालिक एस रंगनाथन को कगिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें चेन्नई (की एक अदालत में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा लाया जाएगा।

'कोल्ड्रिफ' से अब तक 23 बच्चों की मौत

कोल्ड्रिफ जहर से बच्चों की मौतों का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का आंकड़ा अब 23 हो चला है। कफ सिरप से पीड़ित नागपुर में इलाजरत दो और बच्चों ने दम तोड़ दिया। छिंदवाड़ा में 19, पांढुर्ना में एक और बैतूल में दो मौतों के बाद अब तक 23 मासूम अपनी जांच गंवा चुके हैं। अभी भी कई बच्चे अस्पतालों में भर्ती हैं।

गुलाबी ठंडक के बीच मनेगी करवाचौथ, साफ रहेगा मौसम, रात में चलेंगी ठंडी हवाएं

इंदौर। इंदौर में गुलाबी ठंडक के बीच करवाचौथ मनाया जाएगा। पिछले दो दिन से तापमान में गिरावट जारी है और शुक्रवार को भी पारे में गिरावट के आसार हैं। बादल गायब होने और मौसम साफ होने से चांद समय पर दिखेगा और गुलाबी छटा के बीच में महिलाएं सुहाग के पर्व को मनाएंगी। गुरुवार को शहर में कई जगह प्री करवाचौथ इवेंट भी मनाए गए। मौसम की अनुकूलता ने इन इवेंट्स में महिलाओं का उत्साह भी दोगुना कर दिया। शहर में अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में ही मौसम ने करवट बदल ली है। पिछले तीन दिनों से दिन का तापमान 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है, लेकिन रात के तापमान में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। मंगलवार को जहां रात का तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं बुधवार रात यह 20 डिग्री से ऊपर चला गया।

इस बदलाव के कारण पिछले दो दिनों से रात में हल्की ठंड का एहसास होने लगा है। गुरुवार को भी दिनभर ठंडी हवाएं चली और दोपहर में धूप ने मौसम में थोड़ी गरमाहट घोली। शाम होते ही ठंडी हवाओं का दौर फिर शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा।

@ खबर संक्षेप

साहित्य के नोबेल पुरस्कार का एलान

नई दिल्ली। साहित्य में 2025 के नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो चुकी है। हंगरी के लेखक लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे। स्वीडन की स्वीडिश एकेडमी ने गुरुवार (09 अक्तूबर) को इसका एलान

किया है। साहित्य के नोबेल की घोषणा करते हुए स्वीडिश एकेडमी ने कहा कि उनका लेखन आतंक के बीच भी कला की ताकत दर्शाता है।साहित्य के क्षेत्र में दिए जाने वाला यह पुरस्कार उन लेखकों को मिलता है, जिनकी शानदार लेखनी वाली किताबें या कविताएं साहित्य में खास योगदान देती हैं। ऐसे ही हंगरी लेखक लास्जलो को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट से नवाजा जाएगा।उनको इस पुरस्कार से 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले लास्जलो को साल 2015 में मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज और 2019 में नेशनल बुक अवॉर्ड फॉर ट्रांसलेटेड लिटरेचर भी मिल चुका है।

यह बीता हुआ अध्याय:सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर बीते सोमवार को 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर द्वारा जूता फेंकने की कोशिश करने के मामले में देशभर में चर्चा तेज है। ऐसे में सीजेआई गवई ने गुरुवार को इस मामले में फिर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सोमवार को जो कुछ हुआ,

उससे मैं और मेरे साथी जस्टिस विनोद चंद्रन बहुत स्तब्ध रह गए। हालांकि, अब यह हमारे लिए एक बीता हुआ अध्याय है। गवई ने मामले को आगे न बढ़ाने का संकेत भी दिया। बता दें कि यह टिप्पणी उस समय आई जब अदालत वनाशक्ति फैसले से जुड़े पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। इस बेंच में जस्टिस उज्जल भुयान भी शामिल थे। उन्होंने वकील राकेश किशोर के इस हरकत पर सख्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस हरकत पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट का अपमान बताया। मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस हरकत को अक्षम्य बताया और सीजेआई की गरिमा और संयम की प्रशंसा की।

जन सुराज ने की उम्मीदवारों की सूची जारी

पटना। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 51 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। इस लिस्ट में एडवोकेट वाईबी गिरी, भोजपुरी गायक और अभिनेता रितेश पांडेय समेत कई अन्य बड़े नाम शामिल हैं। बिहार के पूर्व

मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पोती जागृति ठाकुर को मोरवा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। मुस्लिम समुदाय के 8, अनुसूचित जाति से 7 और सामान्य वर्ग के 8 उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। पटना में एक प्रेस कान्फ्रेंस में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। प्रशांत किशोर राघोपुर से बिहार के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे।रघुनाथपुर सीट से राहुल कीर्ति सिंह, लौरिया से सुनील कुमार, दरभंगा से सत्येंद्र कुमार यादव, बेनीपट्टी से मोहम्मद परवेज आलम, बेगूसराय से सुरेंद्र कुमार सहनी, वाल्मीकि नगर से दीर्घ नारायण प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है।

मासूमों की मौत के गुनाहगार किसी दोषी को छोड़ेंगे नहीं

मुख्यमंत्री ने प्रतिबंधित कफ़ सिरप से पीड़ित उपचार-रत बच्चों की कुशल क्षेम जानी

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रतिबंधित कफ सिरप का उपयोग किए जाने के मामले से संबंधित किसी भी दोषी को मध्यप्रदेश सरकार नहीं छोड़ेगी। अभी तमिलनाडु की दवा कंपनी के जिम्मेदार लोगों को दबोचा गया है और उनकी गिरफ्तारी हुई है। मध्यप्रदेश सरकार मानवीय और प्रशासनिक दोनों आधार पर कार्रवाई जारी रखेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के बच्चे और परिवार तो पीड़ित पक्ष हैं, हमारे प्रदेश के बच्चों की मृत्यु हुई है।

इस संवेदनशील प्रकरण में मध्यप्रदेश सरकार किसी भी दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रश्न किया कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने इस कंपनी को ड्रग लाइसेंस देने का कार्य किया? मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटी सी जगह पर किस तरह फैक्ट्री संचालित है, यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए। बिना जांच के लाइसेंस कैसे रिन्यू किया गया? इस दवा कंपनी को दोबारा उद्योग लाइसेंस

कैसे दिया गया? कोई भी व्यक्ति स्थल पर जाकर अवलोकन कर सकता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को नागपुर के विभिन्न अस्पताल में उपचाररत बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने और परिजन से चर्चा करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

सहयोग नहीं कर रही तमिलनाडु सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु में निर्मित दवा के उपयोग से ही बच्चों की मृत्यु की बात प्रमाणित हुई है। मध्यप्रदेश पुलिस ने दोषी लोगों की गिरफ्तारी की है। दुर्भाग्य की बात है कि तमिलनाडु सरकार की तरफ से अपेक्षित सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर को दवा कंपनी की नियमानुसार जांच करना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रेंडम सैंपल लेकर आवश्यक जांच करवाई गई और छिंदवाड़ा के चिकित्सक सहित और अन्य दोषियों का निलंबन भी किया गया है और ड्रग कंट्रोलर को हटाया गया है। इसके साथ ही, जो डॉक्टर उस कंपनी की प्रतिबंधित दवा रोगियों के लिए लगातार लिख रहे है, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तमिलनाडु सरकार को नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई करना चाहिए।

प्रभावित बच्चों का हालचाल जानने सीएम पहुंचे नागपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नागपुर स्थित एम्स, जीएमसी और न्यू हेल्थ सिटी अस्पताल पहुंचकर छिंदवाड़ा और बैतूल जिले के किडनी संक्रमित बच्चों के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रभावित बच्चों का अच्छे से अच्छा उपचार हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने नागपुर के एम्स, शासकीय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल पहुंचकर बच्चों के स्वास्थ्य को देखा तथा संबंधित चिकित्सकों से कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित किया जाये।कलेक्टर छिंदवाड़ा और बैतूल द्वारा बच्चों के परिवारों से सतत संपर्क रखते हुए आवश्यक सहायता दी जा रही है। राज्य स्तर से भी बच्चों के उपचार और स्वास्थ्य लाभ की नियमित जानकारी प्राप्त की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नागपुर स्थित अस्पतालों के प्रवास के दौरान छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू, बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

आज से राजधानी में पर्यटन का महाकुंभ

मप्र ट्रैवल मार्ट में शामिल होंगी देशी-विदेशी पर्यटन उद्योग की हस्तियां

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)।

मध्यप्रदेश को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से आज से भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 का आयोजन होने जा रहा है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 27 देशों के 80 से अधिक विदेशी टूर ऑपरेटरों, 150 घरेलू टूर ऑपरेटरों, 355 सेलर्स, फिल्म उद्योग के प्रतिनिधियों और मीडिया सहित 700 से अधिक प्रतिभागियों को एक मंच पर लाएगा।

यह भारत का सबसे बड़ा राज्य-स्तरीय ट्रैवल मार्ट होगा, जो मध्यप्रदेश को 'अतुल्य भारत का हृदय' के रूप में वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 मध्यप्रदेश को पर्यटन, फिल्म, वेडिंग, और जिम्मेदार पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाएगा। यह आयोजन 27 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मध्यप्रदेश की ब्रांड पहचान स्थापित करेगा और पर्यटन क्षेत्र में निवेश व सहयोग के नए द्वार खोलेगा। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के मुताबिक फिक्की के सहयोग से आयोजित यह आयोजन देश के सबसे बड़े राज्य-स्तरीय ट्रैवल मार्ट्स में से एक होगा। यह न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक उन्नति और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के नए अवसर भी खोलेगा।

मुख्यमंत्री के साथ निवेशक सत्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ वन-टू-वन निवेशक सत्र आयोजित होंगे। दो प्रमुख सत्र विशेष आकर्षण होंगे- पहला, 'मध्यप्रदेश- हिडन जेम से ग्लोबल आइकन तक', जो धरोहर, वन्य जीवन, और इको-टूरिज्म पर केंद्रित होगा, और दूसरा, 'द फ्यूचर ऑफ द फिल्म सेक्टर इन मध्यप्रदेश- फ्रॉम रील टू रियल ग्रोथ', जो फिल्म निर्माण और पर्यटन के अवसरों पर चर्चा करेगा।

टीआई आत्महत्या मामले में एएसआई बर्खास्त

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

शहर के चर्चित टीआई हाकम सिंह पंवार आत्महत्या मामले में सवा तीन साल बाद बड़ी कार्रवाई हुई है। मध्य प्रदेश शासन ने आरोपी महिला एएसआई रंजना खांडे को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया है। एक उच्च-स्तरीय विभागीय जांच में यह साबित हुआ है कि रंजना ने टीआई हाकम सिंह पंवार को ब्लैकमेल किया। इससे पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई। बर्खास्तगी के आदेश से पहले तक रंजना धार जिले में पदस्थ थी।घटना के बाद इस मामले की दो बार जांच की गई। शुरुआत में टीआई के परिवार ने रंजना पर ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके आधार पर रंजना के खिलाफ

प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार भी किया गया था। पहली विभागीय जांच एक एसआईटी ने की थी, जिसने रंजना को दोषी मानते हुए उसकी एक वेतनवृद्धि रोकने की सजा दी थी। हालांकि, तत्कालीन पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह इस जांच के नतीजों से संतुष्ट नहीं थे। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर मुख्यालय आरके सिंह ने मामले की दोबारा जांच की।

अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो : दिग्विजय

भोपाल। कथित तौर पर जहरीली कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु से दवाएं आ रही हैं, तो मध्य प्रदेश के ड्रग कंट्रोलर और ड्रग इंस्पेक्टर क्या कर रहे थे? उन्होंने सवाल उठाया कि जब बाहर से आने वाली दवाओं की हर महीने जांच होनी चाहिए, तो यह प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाई गई? जहां 0प्रतिशत रसायन होना चाहिए था, वहां 47 प्रतिशत तक पाया गया। ऐसे में यह बहुत गंभीर लापरवाही है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने बिना जांच के पहले ही दिन दवा को क्लीन चिट कैसे दे दी? दिग्विजय सिंह ने डिप्टी सीएम से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी थी, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रदेश में एमएसएमई की संख्या 20 लाख के पार

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)।

एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के पंजीयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

भारत सरकार के उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अब तक 20 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाईयां पंजीकृत हो चुकी हैं। उद्यम सहायता पोर्टल के अनुसार प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख इकाईयां स्थापित हुई हैं।

मंत्री काश्यप ने बताया कि वर्तमान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों की कुल संख्या 43 लाख 32 हजार से अधिक हो गयी

है। जिससे मध्यप्रदेश का स्थान देश के शीर्ष छह राज्यों की सूची में दर्ज हो चुका है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित की गई नवीन एमएसएमई नीति के बाद से बड़े पैमाने पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग स्थापित हुए है। मंत्री काश्यप ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार नवीन एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्ट-अप नीति-2025 ईज ऑफ इइंग बिजनेस जैसी पहल ने उद्यमियों का भरोसा बढ़ाया है।

राज्य में उद्यम स्थापना की प्रक्रिया अब पहले से कहीं अधिक आसान और पारदर्शी हो गई है जिससे औद्योगीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है। मंत्री काश्यप ने कहा है कि इस वृद्धि से रोजगार, स्थानीय निवेश और आत्मनिर्भरता तीनों को एक साथ गति मिली है।

@ POLYTOON

करोड़ों का आसामी निकला रिटायर्ड इंजीनियर-इन-चीफ

लोकायुक्त के छापे में जीपी मेहरा के ठिकानों ने उगले सोना-चांदी और नकदी

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)।

लोकायुक्त टीम ने भ्रष्टाचार के आरोप में सेवानिवृत्त इंजीनियर-इन-चीफ जीपी मेहरा के कई ठिकानों पर छापा मारा। छापे में नकदी, सोना-चांदी, महंगी संपत्तियां और दस्तावेज बरामद हुए, जो उनकी वैध आय से कई गुना अधिक हैं।

लोकायुक्त भोपाल की टीम ने फरवरी 2024 में लोक निर्माण विभाग से रिटायर हुए गोविंद प्रसाद मेहरा पर आय से अधिक संपत्ति बनाने का मामला दर्ज किया है। गोपनीय सूचना के आधार पर जांच शुरू हुई, जिसमें मेहरा ने अपनी सेवा के दौरान भ्रष्टाचार कर स्वयं और परिवार के नाम पर

भोपाल, सैनी गांव (सोहागपुर) और नर्मदापुरम में करोड़ों की अचल संपत्तियां बनाईं। जिला नर्मदापुरम की तहसील सोहागपुर के ग्राम सैनी में हुई छापेमारी में तो चौंकाने वाली चीजें मिलीं। यहां 17 टन शहद, खेती की जमीन, बहुत महंगे कृषि उपकरण, 6 ट्रैक्टर, 32 निर्माणाधीन कॉटेज, 7 बने हुए कॉटेज, 1 भवन, 2 मछली पालन केंद्र, 2 गौशालाएं, 2 बड़े तालाब और एक मंदिर का पता चला है। यहां से भी प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं, जिनकी जांच की जाएगी। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत केस दर्ज किया। लोकायुक्त ने जीपी मेहरा के चार ठिकानों पर छापा मारा। इसमें (1) भोपाल के मणीपुरम कॉलोनी में ए-6 स्थित निवास, (2) ओपल रेजेंसी, दाना पानी फ्लैट नंबर 508, (3) गोविंदपुरा इंडस्ट्री एरिया में के.टी. इंडस्ट्रीज, और (4) नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर तहसील के ग्राम सैनी शामिल है।

जीपी मेहरा का खेल जारी है

वर्तमान में जीपी मेहरा मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन में कार्य कर रहे हैं। यहां पर सड़क, साइनज के टेंडर को लेकर गंभीर गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर अपने चहेती फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए पात्रता की मूल शर्तें पूरी न करने के बावजूद क्वालिफाई कर दिया। इससे टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए। इस मामले की भी वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत की गई हैं।

राजधानी में 08:26 पर चांद का दीदार

भोपाल। इस वर्ष करवा चौथ का व्रत 10 अक्तूबर यानि आज रखा जाएगा। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। रात को जब चंद्रमा के दर्शन होते हैं तो चंद्रदेव की पूजा करके अर्घ्य अर्पित करते हुए अपने पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ती हैं। मध्यप्रदेश के पूर्वी शहर सिंगरौली में यह सबसे पहले दिखेगा तो पश्चिमी भाग आलीराजपुर में सबसे अंत में दर्शन देना आरंभ करेगा। मध्यप्रदेश की इस पूर्व पश्चिम चंद्रयात्रा में 39 मिनिट का समय लग जाएगा। पूर्वी शहरों में चंद्रमा न केवल जल्दी निकलेगा, वह उन शहरों के कुछ नजदीक भी होगा। जैसे जैसे पश्चिम के ओर बढ़ेंगे उसके उदित होने का समय तो बढ़ेगा ही इसकी पृथ्वी से दूरी कुछ किलोमीटर भी बढ़ती जाएगी। चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी लगभग 3 लाख 61 हजार 331 किमी होगी जो अलगङ्कअलग शहरों के लिए अलग-अलग होगी। चंद्रमा का 89.3 प्रतिशत भाग चमकता दिखेगा। इस साल करवाचौथ पर यह पृथ्वी के पास में है इसलिए यह अपेक्षाकृत बड़ा दिख रहा होगा।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

डाक्टर के रजिस्टर में पांच हजार नामों की एंट्री

परासिया। प्रशासन ने डाक्टर के क्लिनिक से रजिस्टर जब्त किया है। इसमें अगस्त और सितंबर महिने में पांच हजार लोगों की एंट्री है। इन सभी से स्वास्थ्य विभाग का जमीनी अमला संपर्क कर रहा है। इनकी स्क्रिनिंग कर ये पता किया जा रहा है कि कितने लोगों ने कोल्डरिफ सिरप पिया।छिंदवाडा कलेक्टर गुरुवार को इस काम को देखने परासिया पहुंचे। एसडीएम और तहसीलदार पांच बजे परासिया अस्पताल पहुंचे। रजिस्टर के हर पेज पर 35 से ज्यादा नाम है। हर पेज एक कर्मचारी को दिया गया है। इनके मोबाइल नंबर पर काल किया जा रहा है। आंगनबाडी आशा कार्यकर्ताओं के साथ राजस्व का अमला भी लगाया गया है। काल पर बात होने के बाद आशा कार्यकर्ताओं को इनके घर जाकर सिरप की बोतल लेकर पंचनामा बनाकर जब्त करना है। आशा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कई घरों से पंचनामा बनाकर सिरप की बोतल जब्त की। कोल्डरिफ सिरप पीने वाले बच्चों की जानकारी जुटाई जा रही है। जिन लोगों को सिरप पिलाया गया है उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेकर मानिटरिंग में रखा जा रहा है। उनके टेस्ट करावाए जा रहे है। कोल्डरिफ नहीं पीने वाले बच्चे जिनके नाम रजिस्टर में है उनके स्वास्थ्य की डीटेल ली जा रही है। इस तरह के कुछ बच्चे गुरुवार को परासिया अस्पताल लाए भी गए।

एसडीएम ने सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण

परासिया। परासिया एसडीएम शुभम कुमार यादव गुरुवार को रात नौ बजे परासिया के सिविल अस्पतला पहुंचे। अस्पताल में उन्होंने भर्ती बच्चों की स्थिति जानी। उनके परिजनों से बात की। एसडीएम ने बताया कि पांच हजार से ज्यादा लोगों का चिकित्सक ने उपचार किया था। इसकी स्क्रीनिंग की जा रही है। दो सौ बच्चे ऐसे मिले है जिन्होंने कोल्डरिफ सिरप का सेवन किया था। उन्होंने कहा कि दुकानों से ड्रग इंस्पैक्टर के माध्यम से दवाई को जब्त कर लिया गया था। लेकिन ये सामने आया कि अभी भी लोगों के घरों में कोल्डरिफ सिरप मौजूद है। जानकारी नहीं होने से इसे पीना खतरनाक हो सकता है। इससे बच्चों की मृत्यु हो सकती है। इसलिए चिकित्सक के रजिस्टर के आधार पर सभी को काल किया गया। जानकारी मिली की एक सौ चालीस से ज्यादा घरों में अब भी ये सिरप मौजूद है। पटवारी, सचिव, आशा आंगनबाडी कार्यकर्ता से कालिंग कराई थी। दो सौ बच्चे ऐसे मिले जिन्होंने कोल्डरिफ पिया था। इनमें से डेढ सौ परासिया के है। अन्य जिले के अन्य ब्लाक के जो बच्चे है उनका डेटा भेज दियागया है। तीन बच्चे ऐसे मिले जिन्हे कुछ समस्या है। जांच में सामान्य पाए गए है। इस निरीक्षण में बीएमओ डा अंकित सहलाम, बीपीएम अनूप साहू, बीईई रजनीश साहू उपस्थित रहे।

करवाचौथ व्रत की व्रत सामग्री से सजे बाजार

परासिया। करवा चौथ व्रत की सामग्री की दुकानें आज बाजार में सजी। तरह तरह की सामग्री से बाजार पट गया। खरीददारी करने महिलाएं बाजार में उमडी। शुक्रवार को करवाचौथ का पर्व मनाया जाएगा। इसको लेकर बाजार में आज रौनक रही। तरह तरह के सुंदर सजीले करवे बाजार में बिकने आए। महिलाओं ने करवाचौथ के लिए जमकर खरीदारी की। मूलत : पंजाव का यह व्रत पति की लंबी उम्र की कामना के लिए महिलाएं करती हैं। फिल्मों से अब करवाचौथ व्यापक होकर पूरे देष का व्रत बन गया है। करवा चौथ का इंतजार महिलाएं साल भर करती है। महिलाएं विशेष तौर पर सोलह श्रृंगार करती हैं। पूरा दिन निराहार रहकर चांद की पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस व्रत के लिए बाजार में मिट्टी के डिजाइनर करवे, सजावटी छलनी, साडियां और श्रृंगार की दुकानों पर भीड़ देखी गई। महिलाओं ने करवा, छलनी और साडियों की खरीदारी में विशेष रुचि दिखाई। शहर के अंबेडकर चौक् की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ रही। बाजार में करवा, छलनी, साडियों और महिला श्रृंगार की कई दुकानें सजी थीं। दुकानदारों ने बाजार की मांग के अनुसार मिट्टी और तांबे के करवे उपलब्ध कराए। महिलाएं सोलह श्रृंगार करने के बाद चांद की पूजा करती हैं और बाद में अपने पति का चेहरा देखकर अपना व्रत खोलती हैं। सामग्री विक्रेता मोनू साहू ने कहा कि महिलाएं बडी संख्या में आज बाजार में खरीददारी करने पहुंची।

खाद की वजह से परेशानी का सामना कर रहे किसान नहीं मिल रही पर्याप्त खाद

रायसेन। जिले में डीएपी और यूरिया खाद लेने कहीं किसान लंबी लाइन में लगे हैं तो कहीं रतजगा करना पड़ रहा है। किसान सहकारी समितियों और गोदामों पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आगे पड़ रहा है। रायसेन कृषि उपज मंडी स्थित एमपी एग्रो केंद्र पर 500 से अधिक किसान खाद लेने पहुंचे। भीड़ अधिक होने के कारण व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाला। कर्मचारियों के साथ मिलकर पुलिस ने किसानों को टोकन बांटेए जिनमें से केवल 400 किसानों को ही टोकन मिल पाए। शेष किसान खाली हाथ लौट गए। किसानों ने बताया कि उन्हें एक आधार कार्ड पर केवल दो बोरी खाद दी जा रही हैए जबकि उनकी आवश्यकता अधिक है। इस समय कुछ किसानों को धान की फसल के लिए खाद चाहिएए वहीं अधिकतर किसान रबी सीजन की फसलों के लिए खाद लेने पहुंच रहे हैं। भोपाल रोड स्थित जिला विपणन केंद्र के सरकारी गोदाम पर भी उन्हीं किसानों को खाद दी जा रही हैए जिन्हें पहले टोकन दिए गए थे।

मासूम बच्चों की मौत के विरोध में कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च, स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग

बैतूल (मध्य स्वर्णिम)।

छिंदवाड़ा और बैतूल जिले में जहरीले कफ सिरप से 16 मासूम बच्चों की हुई मौत के विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बैतूल जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में गुरुवार 9 मार्च को सायं 7 बजे कैंडल मार्च निकाला गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा के नेतृत्व में यह कैंडल मार्च गांधी चौक कोठी बाजार से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक तक निकाला गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने मासूम बच्चों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस द्वारा पूरे जिले में ब्लॉक स्तर पर कैंडल मार्च निकाला गया और राज्य सरकार से स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग की।

कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवा दल के सदस्य उपस्थित रहे। निलय डागा ने कहा कि जहरीला सिरप जैसी दर्दनाक घटना सरकार की लापरवाही का नतीजा है। यह पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। कैंडल मार्च में वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षदगण, पूर्व जनप्रतिनिधि सहित सैकड़ों नागरिकों ने भाग लिया।

निलय डागा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर मृतक परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं और सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। कैंडल मार्च का समापन शहीद स्मारक पर हुआ, जहां मौन धारण कर दिवंगत मासूम बच्चों के लिए प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होना आवश्यक है। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला, शहर और ब्लॉक स्तर के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शनी पीएम व सीएम का पुतला फूंकने की कोशिश पुलिस से हुई झड़प

जहरीली दवाई की वजह से कई बच्चों की जान कांग्रेस ने लगाए आरोप

रायसेन। नगर में युवा कांग्रेस ने गुरुवार शाम को मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन कोल्ड्रिफ कफ सिरप से बच्चों की मौत के विरोध में किया गया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का पुतला दहन करने का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से मुख्यमंत्री का एक पुतला छीन लिया। जब कार्यकर्ता भोपाल रोड से जलता हुआ दूसरा पुतला सागर तिराहे पर लाए तो पुलिस ने उसे भी छीनने की कोशिश की और उन पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन सोलंकी के नेतृत्व में सागर तिराहे पर यह प्रदर्शन हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन सोलंकी ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश सरकार की लापरवाही के कारण 20 मासूम बच्चों की मौत कोल्ड्रिफ कफ नामक दवा से हुई है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की जान गई होए जिनमें बैतूल और छिंदवाड़ा जिले के बच्चे शामिल हैं। सोलंकी ने मांग की कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को इस गंभीर मामले की जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दवा कंपनी को लाइसेंस किसने दियाए इसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। युवा कांग्रेस ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से चिकित्सा मंत्री के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का भी आग्रह किया।

अंतरक्षेत्रीय वेकोलि बैडमिंटन स्पर्धा का हुआ समापन

विजेताओं को दिए पुरस्कार

परासिया। पेंच स्टाफ क्लब परासिया में अंतर क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। वेटरन्स डबल्स में कन्हान के सिद्धनाथ जावेद विजेता रहे। महिला युगल में बल्लारपुर क्षेत्र से अश्विनी एवं तेजस्विनी विजेता रही। उप विजेता राजकुमार नीलेश रहे। महिला एकल में रश्मि खरे विजेता एवं तेजस्विनी बल्लारपुर उपविजेता रही, महिला युगल में बल्लारपुर क्षेत्र से अश्विनी एवं तेजस्विनी विजेता रही उपविजेता वेकोली मुख्यालय नागपुर से प्रियंका मदान एवं रश्मि खरे रही,। वेटरन्स पुरुष एकल में वेकोलि मुख्यालय नागपुर के अभिजीत दुबे विजेता एवं कन्हान क्षेत्र से राजकुमार डेनियल उपविजेता रहे।वेटरन्स पुरुष युगल में कन्हान क्षेत्र से सिद्धनाथ सिंह एवं जावेद खान विजेता रहे। उपविजेता कन्हान क्षेत्र के ही राजकुमार डेनियल एवं नीलेश रहे, ।टीम चौम्पियन शिप में विजेता के रूप में पाथाखेड़ा क्षेत्र ने बाजी मारी। जिसमें मो बिलाल, अनुराग, जयदीप अग्रवाल, मानवेन्द्र सिंह, बालकृष्ण विजेता रहे एवं उप विजेता बल्लारपुर क्षेत्र के साहिल पाचभाई, जगमोहन मीना, शाम नाथरगी, दिलीप शेंडे, एवं राजेश कलाल रहे, पुरुष एकल में बल्लारपुर क्षेत्र के साहिल विजेता रहे एवं उपविजेता पाथाखेड़ा के जयदीप रहे वही पुरुष युगल में विजेता साहिल, वैभव एवं उपविजेता जयदीप एवं अनुराग रहे। प्रतियोगिता के समापन समारोह में वेकोलि मुख्यालयएस . पी तिवारी महाप्रबंधक, स्टेयरिंग कमेटी सदस्य शिवकुमार यादव एच एम एस, दीपू पिल्लई एच एम एस, आशीष मूर्ति बीएमएस, एन टी मस्के आइटक एवं वेकोली कल्याण मंडल सदस्य ब्रजेश सिंह एच एम एस, श्रीकांत चौधरी आइटक, श्र कामेश्वर रॉय सीटू, वाय व्ही रमन्ना (सी एम ओ आई) डॉ अजय उपाध्याय प्रबंधक मानव संसाधन/कल्याण, महाप्रबंधक अनूप हंजूरा, महाप्रबंधक (संचालन) पी एस सिन्हा पेंच समन्वय समिति सदस्य, राजेश सूर्यवंशी, मनोज राय, रामदास सोलंकी, तेजप्रकाश जी, बीएमएस अध्यक्ष मोहित नामदेव, बीएमएस महामंत्री निखिलेश राहा उपस्थित रहे एवं मुख्य कार्मिक प्रबंधक वाय शशिधर, श्री पी सी सोनी, श्री एस के डेहरिया कार्मिक प्रबंधक प्रशाशन एस के लड्डा जी के साथ साथ क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य पेंचक्षेत्र श्री अशोक डोंगरे, रोहितास वर्मा,त्रिमूलराव, मंगेश मुंडेकर अलीम खान।

बेगमगंज नगर पालिका अध्यक्ष पर सफाई कर्मी ने किया जानलेवा हमला

रायसेन। रायसेन जिले के बेगमगंज नगर पालिका अध्यक्ष संदीप लोधी पर एक सफाई कर्मी ने जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार बेगमगंज नगर पालिका अध्यक्ष संदीप लोधी किसी कार्य से वार्ड क्रमांक 05 में जा रहे थे तभी इसी दौरान एक सफाई कर्मी संजू द्वारा उन पर छुरी से जानलेवा हमला कर दिया।

नगर पालिका के नए एमआरएफ प्लांट का काम शुरू

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

परासिया। नगर पालिका के एमआरएफ प्लांट, कचरा रिसाईकिल सेंटर को अपग्रेड किया जा रहा है। इसके लिए एक करोड 34 लाख की लागत से काम प्रारंभ किया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने टीम के साथ गुरुवार को वार्ड क्रमांक एक में काम का निरीक्षण किया। छिंदवाडा सांसद विवेक बंटी साहू ने तीन सितंबर को इसका काम प्रारंभ किया था।

कचरा सेग्रिगेशन सेंटर एमआरएफ प्लांट को आधुनिक करने के लिए राशि स्वीकृत की गई है। इसके लिए पांच नई मशीने एमआरएफ प्लांट के लिए लाई गई है। इससे कचरा सेग्रिगेशन सेंटर आधुनिक हो जाएगा। भविष्य की जनसंख्या के अनुसार क्षमता बढेगी।

नगर पालिका परासिया के अध्यक्ष विनोद मालवीय ने बताया कि भविष्य के परासिया की जरूरतों के अनुरूप इसे बनाया जा रहा है। एमआरएफ प्लांट वार्ड क्रमांक एक में स्थित है। गीला सूखा कचरा पृथक करने की यहां सुविधा है। शासन ने वर्ष 2026 की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कचरा सेग्रिगेशन सेंटर को डेवलप करने के लिए डीपीआर मांगा था। नए डीपीआर के तहत एफआरएफ प्लांट को आधुनिक बनाया जाना है।

इसके लिए पांच नई मशीने नगर पालिका ने बुलाई है। इसमें खाद बनाने की मशीन, गत्ते के गट्ठे बनाने की मशीन और अन्य मशीने है। इससे कचरे को बेचने के लिए नगर पालिका सक्षम हो जाएगी। गौरतलब है कि नगर पालिका का कचरा सेग्रिगेशन सेंटर वार्ड क्रमांक एक ओझा मोहल्ला की पहाडियों पर स्थित है। यहां नगर पालिका ने मशीने यहां लगाई है। इसके आधुनिकीकरण से सुविधाएं और बेहतर हो जाएगी।

किलर सिरप, दो और परिवारों के चिराग बुझे

पचधार के गर्वित और मयंक का निधन, उमरेठ में अब तक छह बच्चों की मौते

परासिया। किलर सिरप से उमरेठ के मोरडोंगरी के पचधार दो परिवारों के चिराग बुझ गए। मोरडोंगरी के पचधार के मयंक सूर्यवंशी और गर्वित पवार का निधन हो गया। गुरुवार को मयंक का शव पचधार लाया गया। उमरेठ में अब तक छह बच्चों की मौत किलर सिरप के कारण हुई है। जबकि मौतों का आंकडा 21 तक पहुंच गया है।

गर्वित पिता बाबूराव पवार और मयंक पिता नीलेश सूर्यवंशी को नागपुर के मेडिकल कालेज में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। दोनों को परासिया के निजी क्लिनिक से सिरप लिखा गया था। इसके बाद इनकी किडनी फेल हुई और नागपुर भर्ती कराया गया था। गर्वित का शव अभी घर नहीं लाया गया है। मयंक का शव गुरुवार को चार बजे पचधार लाया गया। अपने लाडले को जब परिवार के लोगों ने देखा तो कोहराम मच गया। महिलाएं बेहाल हो गई। हंसता खेलता मयंक सदा के लिए मौन हो गया।

किलर सिरप से उमरेठ में छह बच्चो की मौत

किलर सिरप कोल्डरिफ से उमरेठ तहसील के छह बच्चे काल के गाल मे ंसमा गए है। उमरेठ के हेतांश सोनी, रिधोरा के वेदांश पवार, गायगोहान के चंचलेश यदुवंशी, मोरडोंगरी की संध्या भोसोम, मयंक सूर्यवंशी और गर्वित पवार की मौत हुई है। एक बालक प्रतीक रिकवर होकर अस्पताल से घर लाया गया है। सोनापीपरी की बालिका भी ठीक होकर आई है।

मुलताई में आरएसएस प्रचारक से मारपीट के बाद दो पक्षों में बवाल

मुलताई। मां ताप्ती के उद्गम स्थल मुलताई नगर में गुरुवार शाम को साम्प्रदायिक तनाव चरम पर है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक शिशुपाल यादव के साथ धर्म विशेष के लोगों ने उस वक्त मारपीट की जब वे किसी काम से नगर में निकले थे। बताया जा रहा है कि यादव फव्वारा चौक से अपने दो पहिया वाहन से गुजर रहे थे इस दौरान किसी को कट लगने की वजह से मुस्लिम युवकों से उनका विवाद हुआ और थोड़ी ही देर में हाथापाई की स्थिति निर्मित हो गई। अचानक हुए हमले से यादव चोटिल भी हो गए है।

जानकारी मिलते ही मौके पर दोनों पक्षों का हुजूम उमड़ पड़ा। तनाव को खत्म करने के लिए पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। इस घटना के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। घटना के बाद यादव मुलताई थाने पहुंचे। आरोपियों को भी आधे घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस थाने ले आई है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन भी सूचना मिलते ही मुलताई के लिए रवाना हुए।अधिकारी द्वय इस पूरे मामले की जांच और इससे जुड़े प्रत्येक पहलू पर पड़ताल कर रहे है।

इनका कहना..

कुछ लोगों को हिरासत में लिया है, कार्रवाई जारी है।

देवकरण डेहरिया,
टीआई मुलताई

वार्ड पांच के यासीन खान को वापस मिला आटो

परासिया। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा उमंग सिंघार बुधवार को परासिया के वार्ड क्रमांक पांच के यासीन खान के घर पहुंचकर उसका आटो वाापस दिलाने का वादा किया था। गुरुवार को कांग्रेस के नेतागण पहुंचे। उमंग सिंघार की भेजी राशि से उसे आटो वापस दिला दिया। उसके बेटे उसैद की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। वह बेरोजगार हो गया था।बच्चे के इलाज के लिए उसने अपना आटो बेच दिया था। उमंग सिंघार ने कहा कि आटो वे वापस दिलवा देंगे। उन्होंने यासीन से जिसे आटो बेचा गया है उसे फोन कराया था। वर्तमान आटो मालिक ने कहा कि उसने दस हजार रुपए का काम कराया है। बीस हजार रुपए ज्यादा लेकर आटो देगा। उमंग सिंघार ने कहा कि कल वे परासिया विधायक को राशि भिजवा देंगे। उससे आटो वापस ले लेना।

80 किलोमीटर की सड़क 184 करोड़ में बनेगी 2 साल में निर्माण करने का किया दावा

रायसेन। भोपाल.सागर स्टेट हाईवे पर रायसेन से राहतगढ़ तक सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इस मार्ग को अब 10 मीटर चौड़ा किया जाएगा। 184 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह 80 किलोमीटर का हिस्सा दो साल में पूरा होने की उम्मीद अधिकारियों को है। परियोजना के तहत मार्ग में पडने़ वाले 14 छोटे पुलों और 38 पुलियों का भी नए सिरे से निर्माण किया जाएगा। हादसों को कम करने के उद्देश्य से मार्ग में आने वाले सभी अंधे मोड़ों को भी खत्म किया जाएगा। रायसेन से राहतगढ़ तक की कुल दूरी 105 किलोमीटर है। इसमें से रायसेन गैरतगंज और बेगमगंज की शहरी सीमा वाली सड़कें पहले ही बन चुकी हैं। बेगमगंज से राहतगढ़ के बीच 10 किलोमीटर क्षेत्र में मडिया़ डेम के कारण चार फ्लाईओवर ब्रिज भी बनाए गए हैं। इस प्रकारए 25 किलोमीटर सड़क का काम पहले ही पूरा हो चुका है। 15 ऐसे अंधे मोड़ हैं जहां अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। इनमें अमरावत घाटी गढ़ी घाटी किशनपुर पलोहा बीनापुर कोलू घाट बरी की पुलिया मडिया़ पारासरी और लालबाग जैसे स्थान शामिल हैं।

ट्रायल के दौरान मेट्रो ट्रेन ने यह सफर लगभग एक घंटे में किया पूरा

शहर में मेट्रो का 17 किलोमीटर का ट्रायल रन अब रेडिसन चौराहा तक संचालन की राह आसान

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर की मेट्रो ट्रेन ने अपने सफर का नया माइलस्टोन तय किया। गुरुवार दोपहर करीब 1.30 बजे मेट्रो प्रबंधन की टेक्निकल टीम ने गांधी नगर स्टेशन से रेडिसन चौराहा तक ट्रायल रन किया। पहली बार मेट्रो ट्रेन विजय नगर, सुखलिया और मालवीय नगर क्षेत्रों के ट्रैक पर दौड़ती नजर आई। ट्रायल के दौरान मेट्रो ट्रेन ने यह सफर लगभग एक घंटे में पूरा किया। तकनीकी जांच के चलते ट्रेन की रफ्तार फिलहाल कम रखी गई थी।

मेट्रो प्रबंधन के अनुसार आने वाले दिनों में धीरे-धीरे गति बढ़ाकर नियमित ट्रायल किए जाएंगे। अगले साल तक 17 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर मेट्रो का संचालन शुरू करने का लक्ष्य है।

यात्रियों की संख्या बढ़ेगी

अगले साल तक मेट्रो के कॉमर्शियल रन का टारगेट रेडिसन चौराहे तक करने का रखा गया है। यहां तक मेट्रो चलेगी तो यात्रियों की संख्या भी बढ़ेगी। क्योंकि विजय नगर, सुखलिया ग्राम व आसपास से सुपर कॉरिडोर की आईटी कंपनियों व कॉलेजों में कर्मचारी व विद्यार्थी जाते हैं। हालांकि अभी भी पांच से ज्यादा मेट्रो स्टेशनों का काम बाकी है।

सात किमी तेज रही स्पीड

मेट्रो ट्रेन गांधी नगर स्टेशन से निकली। सात किलोमीटर तक स्पीड तेज रखी गई, लेकिन चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा चौराहे के पास कम स्पीड में ट्रायल रन किया गया। पहली बार मेट्रो को देख शहरवासी रुक गए और हाथ हिलाकर

अभिवादन करने लगे। हॉर्न बजाते हुए मेट्रो धीरे-धीरे रेडिसन चौराहा तक पहुंची, फिर गांधी नगर डिपो की तरफ रवाना हुई। अब कमिश्नर फॉर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) से एनओसी मिलने के बाद इसे यात्रियों के लिए शुरू किया जाएगा।

सालभर बाद रेडिसन चौराहा तक होगा संचालन

मेट्रो का संचालन अभी छह किलोमीटर के हिस्से में हो रहा है। यह आबादी क्षेत्र नहीं है। इस कारण मेट्रो को अभी ज्यादा यात्री नहीं मिल रहे हैं। शुरुआती दिनों में मेट्रो ट्रेन को देखने के लिए शहरवासियों की भीड़ जरुर उमड़ी थी। अब तक दो लाख से ज्यादा यात्री मेट्रो में सफर कर चुके हैं, लेकिन अब यात्री नहीं मिल रहे हैं।

लिवइन में रह रहा था आरोपी

शादी का झांसा देकर किया युवती से किया रेप, केस दर्ज

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर की हीरानगर पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाए और बाद में संपर्क तोड़कर फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। हीरानगर टीआई सुशील पटेल ने बताया कि 28 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर रविषेक पुत्र रामप्रकाश सोनी निवासी सेंवढ़ा जिला दतिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बताया कि जुलाई 2024 में उसकी पहचान रविषेक से इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। वह ग्वालियर से नौकरी की तलाश में इंदौर आई थी, जबकि रविषेक पिछले तीन सालों से इंदौर में एक वेयरहाउस में काम कर रहा था।

शुरुआत में युवती विजयनगर क्षेत्र में किराए पर रहती थी, बाद में जून 2025 में हीरानगर क्षेत्र की काशीपुरी में कमरा किराए पर लिया।

रविषेक ने रखा लिव इन में रहने का प्रस्ताव

पीड़िता के मुताबिक जून 2025 में जब वह ग्वालियर से इंदौर लौटी, तो रविषेक ने उसे लिव-इन में रहने का प्रस्ताव दिया। आरोपी ने भरोसा दिलाया कि दोनों जल्द शादी करेंगे। इस पर पीड़िता राजी हो गई और 10 जून से वह उसके साथ रहने लगी। इस दौरान रविषेक ने कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

मारपीट की और नंबर ब्लॉक कर दिया

जब युवती ने शादी के लिए दबाव डाला, तो पहले युवक ने कहा कि परिवार के न मानने पर वह अलग रहकर शादी करेगा पर बाद में टालमटोल करने लगा। कुछ समय बाद रविषेक ने शादी की बात पर विवाद शुरू कर दिया और मारपीट करने लगा। 2 अक्टूबर को उसने काशीपुरी वाला घर खाली कर दिया और पीड़िता का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। बुधवार को पीड़िता थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

शहर में आज से जत्रा, शहरवासी ले सकेंगे मराठी व्यंजनों का लुत्फ

इंदौर। दिवाली के पूर्व इंदौर में हर साल लगने वाला मराठी फूड फेस्टिवल और मेगा ट्रेड फेयर जत्रा शुक्रवार से लगने जा रहा है। इंदौर में पिछले 24 साल से यह आयोजन हो रहा है। सिल्वर जुबली साल होने के कारण इस बार चार दिन जत्रा लगेगा। गांधी हॉल के समीप पोत्दार प्लाजा में लगने वाले जत्रा में शहर की महिलाएं फूट स्टालों का संचालन करती है और अपने हाथों से बने मराठी व्यजंनों को तैयार करती है। आयोजक संस्था के सुधीर दांडेकर व राजेश शाह ने बताया कि जत्रा की शुरुआत 10 अक्टूबर से होगी। 13 अक्टूबर को उसका समापन होगा। इस बार परिसर को और बड़ा आकार दिया है। ज्यादातर हिस्से वाटर प्रफू रहेंगे और कई छूट भी फेस्टिवल में आने वाली कंपनियां देंगी। इस आयोजन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस बार भी पुरण पोली, झुनका भाकर, अनारसे, बटाटा वड़ा सहित अन्य मराठी व्यंजनों के स्टॉल लगेंगे। इसके अलावा दीपावली त्योहार के मद्देजर 20 से ज्यादा हैंडीक्राफ्ट के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। जत्रा में चारों दिन महाराष्ट्र के प्रख्यात लावणी कलाकारों द्वारा धमाकेदार लावणी की प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक झोन को मप्र सांस्कृतिक मंत्रालय के अंतर्गत मराठी साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा प्रायोजित किया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना में 13.46 लाख हितग्राहियों को दिया गया 2 हजार 78 करोड़ का ऋण

इन्दौर। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में शहरी पथ-विक्रेताओं को अपना व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिये पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 13 लाख 46 हजार प्रकरणों में 2 हजार 78 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि भी दी गई है। केन्द्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन कर इसकी अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी है। पथ-विक्रेताओं को योजना का लाभ देने के मामले में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। प्रदेश के 3 नगरीय निकायों उज्जैन, खरगोन और सारणी को सर्वाधिक ऋण वितरण के लिये पुरस्कृत भी किया जा चुका है। पीएम स्वनिधि योजना में 42 अन्य नगरीय निकायों एवं बैंक शाखाओं का चयन उल्लेखनीय कार्य के लिये राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। राज्य में पथ-विक्रेता योजना में सफलतापूर्वक काम कर सकें, इसके लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिये प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की है। हितग्राहियों को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, ई-कॉमर्स, पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का भी प्रशिक्षण दिलाया गया है। योजना में चयनित हितग्राहियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में भी वृद्धि की गयी है। योजना में पूर्व में 10 हजार के स्थान पर 15 हजार और 20 हजार के स्थान पर 25 हजार रुपये और अंतिम किश्त के रूप में 50 हजार रूपये की ऋण राशि दी जा रही है। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये हितग्राही को फुटकर लेन-देन पर 1200 रुपये और थोक व्यापार लेन-देन के लिये प्रतिवर्ष अधिकतम 400 रुपये तक कैश बेक की सुविधा दी जा रही है। पथ विक्रेता सुरक्षित रूप से व्यापार कर सके, इसके लिये नगरीय निकायों द्वारा आईडी प्रमाण-पत्र भी जारी किये गये हैं।

कांग्रेस ने निकाली जन आक्रोश रैली

इंदौर। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई, नशाखोरी, अपराध, कानून व्यवस्था, ट्रैफिक जाम और सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय से कलेक्टर कार्यालय तक कांग्रेस लाओ देश बचाओ जन आक्रोश रैली आयोजित की गई। रैली से पहले गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय के नीचे एक सभा आयोजित हुई। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम एसडीएम दीपक चौहान को ज्ञापन दिया गया।

नगर निगम सम्मेलन में गड्ढे, विवादित बोर्ड और आपराधिकर प्रकरणों पर हंगामा

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर नगर पालिका निगम परिषद के सम्मेलन में अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाने का प्रस्ताव पारित हुआ। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने यह प्रस्ताव रखा और भाजपा के पार्षदों ने इसका समर्थन किया। भार्गव ने कहा कि एक पार्षद का फरार और जेल में रहना इस बात को सिद्ध करता है कि उसकी पार्षदी रखने का अब कोई औचित्य नहीं है। उनके द्वारा जेल से लिखकर भेजा गया जबाव भी केवल भावनात्मक है और तथ्यों से परे हैं। उन्होंने कहा कि जब जब कादरी पर आरोप लगते हैं और सिद्ध भी हुए हैं। लव जिहाद के मामले में कांग्रेस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आज भी कांग्रेस पार्षद प्रस्ताव आने से पहले सदन छोड़कर चले गए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष विधानसभा उमंग सिंघार से पूछना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस लव जिहाद के पक्ष में है। यह प्रस्ताव आने से पहले कांग्रेस के पार्षद सदन छोड़कर चले गए और बाहर धरने पर बैठ गए। इससे पहले शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और सड़कों के गड्ढों को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। सदन की कार्यवाही के दौरान वे आसंदी के सामने बैठ गए और नारेबाजी की। पार्षद सड़कों की दुर्दशा की तख्तियां लेकर सदन में जा रहे थे, जिन्हें रोक दिया गया। पार्षद राजू भदौरिया ने सदन में महात्मा गांधी की फोटो न होने पर सवाल उठाया। इसे लेकर जमकर खींचतान चली। बाद में पार्षद ने सभापति मुन्नालाल यादव को गांधी जी की फोटो भेंट की। सम्मेलन नगर निगम मुख्यालय स्थित श्री अटल बिहारी बाजपेयी परिषद सभागृह में आयोजित किया जा रहा है। इसमें पार्षद फौजिया शेख अलीम ने BRTS का मुद्दा उठाया। जिसका राजेंद्र राठौर और बाद में महापौर ने जवाब दिया।

कार्यवाही के बीच बत्ती गुल हुई

चलते सदन में अचानक लाइट बंद हो गई, नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे बोले निगम के पास जनरेटर लगाने के भी पैसे नहीं हैं। कुछ देर में लाइट वापस आई। चौराहे पर लगी नेट और विज्ञापन का सवाल उठाया। जवाब को लेकर पक्ष और विपक्ष के पार्षद भिड़ गए। पार्षद योगेश जेंडर बोले रासुका वालों के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं। पार्षद राजू भदौरिया के इशारे पर हुई खींचतान योगेश जेंडर उतरकर सभापति के पास पहुंचे।

सभापति के सामने बैठे पार्षद

सभापति के सामने जमीन पर बैठे नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्षद। भाजपा के पार्षद माफी मांगो के नारे लगे। जोरदार हंगामे के बीच के चिंटू चौकसे सभापति के पास पहुंचे और कुछ चर्चा की। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे से बोले कि अगर राजू भदौरिया पर रासुका लगी है तो वह आज ही पार्षदी छोड़ देंगे।

शहर में देर रात एबीवीपी कार्यकर्ताओं का हंगामा

इंदौर। इंदौर में बुधवार-गुरुवार रात एमजी रोड पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नेताओं ने आधे घंटे तक सड़क को बंद कर हंगामा किया। एबीवीपी के प्रांत सहमंत्री कौशल यादव और महानगर सहमंत्री प्रतीक यादव ने पुलिस पर चेकिंग के दौरान जबरन वसूली के आरोप लगाए। हंगामे के बीच दोनों नेता एमजी रोड टीआई विजय सिसोदिया से भिड़ गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान कुछ लोगों ने बेरीकेड्स उठाकर सड़क पर फेंक दिए, वाहनों की आवाजाही रोक दी पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए। पैसे लेकर गाड़ी छोड़ने का आरोप जानकारी के मुताबिक एमजी रोड थाना क्षेत्र के नगर निगम चौराहे पर पुलिस बुधवार रात ड्रिंक एंड ड्राइव और संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एबीवीपी के प्रांत सहमंत्री कौशल यादव और महानगर सहमंत्री प्रतीक यादव कार से गुजर रहे थे। पुलिस ने रोककर दस्तावेज मांगे तो दोनों पदाधिकारियों ने रौब झाड़ते हुए वाहन छोड़ने की मांग की। इसी बात पुलिस और एबीवीपी के लोगों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई।

वाइन शॉप पर बर्थडे पार्टी में गया था

तीन बदमाशों ने एक युवक को घेरकर ताबड़तोड़ मारे चाकू, मौत

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर में तीन बदमाशों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। पांच ने सड़क किनारे युवक को घेर लिया। पहले मारपीट की। पीछे खड़े एक आरोपी ने युवक की पीठ पर चाकू से लगातार वार किए। इसके बाद सीने में भी चाकू घोंप दिया। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है, जबकि 6 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। हत्या की पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। विजयनगर पुलिस के मुताबिक, स्कीम नंबर 54 में बुधवार-गुरुवार रात पार्थ दीवान (19) की हत्या कर दी गई। वह अपने दोस्त चिराग की बर्थडे पार्टी में गया था। सभी दोस्त वाइन शॉप के बाहर बने अवैध अहाते में शराब पीने पहुंचे थे। यहीं उसकी कुछ युवकों से कहासुनी हो गई। पहले दोनों पक्षों में मामूली विवाद हुआ, लेकिन थोड़ी देर बाद बदमाशों ने मारपीट शुरू कर दी।

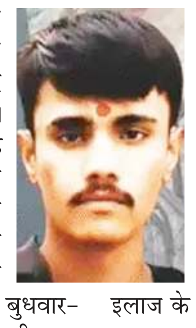

हथियार से पार्थ पर हमला करने की कोशिश की। वह बचने के लिए भागा, लेकिन करीब 50 मीटर की दूरी पर तीन बदमाशों ने उसे घेर लिया और चाकू से कई वार कर दिए। हमले के बाद आरोपी एक्टिवा से फरार हो गए। वहां मौजूद लोगों ने घायल पार्थ को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। देर रात घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

आपसी विवाद में हुई हत्या: पार्थ कोई काम नहीं करता था। उसके पिता भानुप्रताप ड्राइवर है।

इंदौर एयरपोर्ट पर इंडिगो की उड़ान रद्द, यात्री हुए परेशान

- मुंबई रूट की फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी
- यात्रियों को रिफंड और री-बुकिंग की सुविधा दी

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर कल रात मुंबई से आने और मुंबई से जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इंडिगो एयरलाइंस ने मुंबई से इंदौर आकर वापस मुंबई जाने वाली उड़ान को कल रात निरस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद कंपनी ने यह निर्णय लिया। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट रात 8.05 बजे मुंबई से इंदौर जाकर 8.40 बजे वापस मुंबई जाती है, लेकिन कल रात यह दोनों ही उड़ानें निरस्त रहीं। कंपनी ने एयरपोर्ट प्रबंधन को ऑपरेशनल कारणों से फ्लाइट निरस्त किए जाने की बात कही। वहीं सूत्रों के अनुसार इंदौर आने से पहले मुंबई एयरपोर्ट पर विमान में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण फ्लाइट को निरस्त किया गया था।

फ्लाइट निरस्त होने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया। एयरलाइंस ने यात्रियों को रिफंड और री बुकिंग का विकल्प देने के साथ ही अपनी अन्य उड़ानों में एडजस्ट किया। इन उड़ानों के कई यात्री आज सुबह इंदौर आए और कई मुंबई के लिए रवाना हुए।

कार्रवाई तीन साल बाद एक्शन, इंदौर पुलिस कंट्रोल रूम में टीआई ने गोली मारकर किया था सुसाइड

टीआई को ब्लैकमेल करने वाली लेडी एएसआई रंजना खोड़े बर्खास्त

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर के टीआई सुसाइड केस में मध्य प्रदेश शासन ने सवा तीन साल बाद एएसआई रंजना खोड़े को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभागीय जांच में सामने आया है कि रंजना टीआई हाकम सिंह को ब्लैकमेल कर रही थी। जांच अधिकारी ने माना कि इससे पुलिस की छवि धूमिल हुई है। रंजना बर्खास्तगी से पहले तक धार जिले में पदस्थ रही है। मामला जून 2022 का है।

इंदौर के रीगल स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में टीआई हाकम सिंह पंवार ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से पहले एएसआई रंजना खोड़े पर गोली चलाई थी। फिर खुद को गोली मार ली थी। इस हमले में रंजना बच गई थी। गोली उसके कान के पास से निकल गई थी,

जबकि टीआई की मौत हो गई थी। मामले की दो बार जांच कराई गई। पहली जांच एसआईटी ने की, जिसमें रंजना को दोषी पाया गया था और उसकी एक वेतनवृद्धि रोक दी गई थी, लेकिन पुलिस कमिश्नर इस जांच से संतुष्ट नहीं थे।

दर्ज हुआ था हत्या का प्रकरण

गोली से बाल-बाल बची एएसआई ने टीआई के खिलाफ छोटी ग्वालटोली पुलिस से शिकायत की थी। इस प्रकरण में पुलिस ने मृत टीआई पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। इसके बाद टीआई के परिवार ने रंजना पर ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए थे, तब पुलिस ने ब्लैकमेलिंग की धाराओं में रंजना के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था, जिसमें रंजना की गिरफ्तारी हुई थी। उसे एक हफ्ते में ही जमानत मिल गई थी।

एसआईटी से कराई गई जांच

टीआई सुसाइड केस की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने जांच शुरू की, तो रंजना और हाकम सिंह के बीच संबंध होने की बात सामने आई। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी मुख्यालय ने रंजना की वेतनवृद्धि रोक दी। रंजना ने भी अपना ट्रांसफर धार करा लिया।

एसआईटी की जांच से संतुष्ट नहीं हुए सीपी

पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह एसआईटी की जांच से सहमत नहीं थे। उन्होंने दोबारा जांच कराने का निर्णय लेते हुए अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर मुख्यालय आरके सिंह को जांच सौंपी। उन्होंने पाया कि रंजना टीआई को ब्लैकमेल कर परेशान कर रही थी। इससे विभाग की छवि खराब हुई है। यह भी पता चला कि हाकम सिंह पंवार की दो पत्नियां थीं और रंजना से भी उनके संबंध थे। सिंह ने जांच के बिंदुओं के आधार पर रंजना को बर्खास्त करने की सिफारिश की।

घटना के कुछ दिन बाद हुई भाई की मौत

रंजना के एक भाई की इस घटना के कुछ दिन बाद ही घर में जलने से मौत हो गई थी। उसका इंदौर में उपचार चला था। बताया जाता है कि रंजना पर हुए हमले के बाद वह तनाव में था। बाद में रंजना की गिरफ्तारी होने से वह काफी डिप्रेशन में चल रहा था।

रानी दुर्गावती: नारी शक्ति की वह मशाल, सदियों से आ रही है जलती

भारत के मंत्रालयों, नीतियों और प्रमुख कार्यक्रमों की कल्पना से भी सदियों पहले, गोंड साम्राज्य की एक आदिवासी युवा रानी अग्रिम मोर्चे पर खड़ी रहीं — जिसने आत्मसमर्पण के बजाय सम्मान, साहस और कर्तव्य का मार्ग चुना। भारत में वीरता और पराक्रम की प्रतीक के रूप में याद की जाने वाली रानी दुर्गावती आज भी सार्वजनिक जीवन, व्यवसाय, विज्ञान और नागरिक सेवाओं को नई दिशा देने वाली महिलाओं को प्रेरित कर रही हैं। उनकी 501वीं जयंती के अवसर पर, हम उस गाथा और उन मूल्यों को याद करते हैं, जो 16वीं शताब्दी के युद्धक्षेत्रों से लेकर आधुनिक भारत की नीतियों तक एक सतत प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

रानी दुर्गावती का जीवन एक किंवदंती इसलिए बना, क्योंकि उन्होंने इतिहास में निष्क्रिय पात्र बनकर रहने से इनकार कर दिया। आक्रमणकारी मुगल शक्तियों का सामना करते हुए उन्होंने अपने राज्य और प्रजा की रक्षा का दायित्व अपने कंधों पर लिया। एक ऐसी महिला, जिसने नेतृत्व किया, निर्णय लिए और अंततः बलिदान दिया-रानी दुर्गावती ने स्वयं को एक क्षेत्रीय शासक से कहीं बढ़ाकर राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में स्थापित किया। आज, चाहे उन्हें लोककथाओं, स्मारकों या मध्य भारत की संस्कृति में याद किया जाए, वे इस सत्य की जीवंत मिसाल हैं कि नेतृत्व किसी एक लिंग की सीमाओं में नहीं बँधता।

आधुनिक भारत में महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण की जो संरचना आज दिखाई देती है-जिसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और संबद्ध विभागों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है-वह उसी कर्तव्य भावना और सार्वजनिक उत्तरदायित्व से प्रेरित है, जिसका उदाहरण रानी दुर्गावती ने अपने जीवन में प्रस्तुत किया था। जिस प्रकार रानी ने अपने समय में राज्य और प्रजा की रक्षा का दायित्व निभाया, उसी प्रकार आज की सरकार विभिन्न मोर्चों पर महिलाओं के अधिकारों, अवसरों और समान भागीदारी की रक्षा और विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा और सामाजिक समरूपता: लड़कियों की शिक्षा में सुधार और लैंगिक अंतर को कम करने के उद्देश्य से लागू किए गए कार्यक्रम आज समाज की नींव को मजबूत कर रहे हैं। **आर्थिक सशक्तिकरण और उद्यमिता:** कौशल विकास पहलों से लेकर ऋण और बाजार तक पहुँच प्रदान करने वाली योजनाएँ महिलाओं को उद्योग और व्यवसाय के क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम बना रही हैं। ये प्रयास आधुनिक शासन और निर्णय-निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।

सुरक्षा और कानूनी संरक्षण: वन स्टॉप सेंटर और विभिन्न हेल्पलाइन सेवाएँ महिलाओं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और नागरिक भागीदारी सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इन पहलों ने यह सिद्ध किया है कि भय या असुरक्षा किसी महिला की प्रगति और आवाज़ को सीमित नहीं कर सकती।

स्वास्थ्य और मातृ देखभाल: मातृ स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाएँ केवल स्वास्थ्य सेवा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे महिलाओं के समग्र कल्याण का प्रतीक हैं। ये प्रयास महिलाओं को स्वस्थ, आत्मविश्वासी और नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए सशक्त करते हैं।

जमीनी स्तर पर शासन और प्रतिनिधित्व-पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की पहलें लोकतांत्रिक शासन को और समावेशी बना रही हैं। यह उसी राजनीतिक दूरदर्शिता की झलक है, जो रानी दुर्गावती ने अपने राज्य के संचालन में प्रदर्शित की थी।

पिछले कुछ दशक उल्लेखनीय प्रगति के साक्षी रहे हैं - महिला साक्षरता और कार्यबल में भागीदारी में वृद्धि, निर्वाचित पदों पर महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति, उद्यमिता में तेजी से उभार, और सुरक्षा एवं समान अवसरों के प्रति समाज की बढ़ती संवेदनशीलता ने भारत को एक नई दिशा दी है। ये बदलाव केवल आँकड़े भर नहीं हैं; ये उसी सिद्धांत की आधुनिक अभिव्यक्तियाँ हैं जो रानी दुर्गावती के जीवन ने सिखाया था कि जब महिलाएँ हर परिस्थिति के लिए सुसज्जित और सशक्त होती हैं, तो वे समाज को नया आकार देती हैं।

रानी दुर्गावती के उदाहरण को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाता है उनका दोहरा स्वरूप - नैतिक और व्यावहारिक। नैतिक स्तर पर वे गरिमा, साहस और जिम्मेदारी की प्रतीक हैं, जबकि व्यावहारिक स्तर पर उनका जीवन महिलाओं को निर्णयकर्ता और लोककल्याण की रक्षक के रूप में स्थापित करता है। यह दोहरी विरासत पीढ़ियों से भारत की नागरिक चेतना का हिस्सा रही है और इसी ने महिला सशक्तिकरण की नीतियों और पहलों को समाज में गहरी जड़ें जमाने में सहायता की है।

जैसे-जैसे देश विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर है, उसे विकास को महिलाओं की भागीदारी के पैमाने और समानता के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। महिला-केंद्रित विकसित भारत में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को विकास के लिए एक अतिरिक्त साधन नहीं, बल्कि विकास का मुख्य सूचक माना जाएगा। व्यावहारिक रूप से इसका अर्थ है कि देश की प्रगति को केवल प्रमुख कल्याण संकेतकों से नहीं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों - बोर्ड, लोक सेवा और सामुदायिक संस्थानों में महिलाओं के नेतृत्व और सक्रिय भागीदारी से भी मापा जाएगा।

इस प्रकार, उन नीतियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जो अवैतनिक देखभाल-जैसे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की देखभाल और सामुदायिक सहायता-के बोझ को कम करें, ताकि महिलाओं के पास सार्वजनिक और आर्थिक क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए पर्याप्त समय और अवसर उपलब्ध हो।

नारी शक्ति का सवश्रेष्ठ उदहारण है करवा चौथ

रमेश सर्राफ धमोरा

करवा चौथ विवाहित महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता है और यह न केवल त्योहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्योहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण है। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती हैं।

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती हैं। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

हमारा भारत धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनों का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र

माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें।

मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिनभर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरान्त भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासुजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

अनेक कामनाओं के कारण मनुष्य का मन बिखरा हुआ और अस्थिर है

शान्त, सहज, सरल व प्रामाणिक जीवन जीने वाले यहाँ के पूर्वज जीने की कला ही नहीं, मरने की कला में मन की मूढ़ अवस्था में विभिन्न तनाव, रोग पनपते हैं जबकि मन की अमूढ़ता में ये ही तनाव विनसते भी हैं। मन तनाव का कारण भी है और निवारक भी है। मन की यह विशेषता है कि वह सदा सक्रिय रहता है, जाग्रत रहता है। एक क्षण को भी वह न सोता है और न विश्राम ही लेता है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है।आज व्यक्ति के जीवन में अनेक विसंगतियां हैं।

इन विसंगतियों का कारण मनुष्य-जीवन में बढ़ता तनाव है। व्यक्ति की लालसा है कि समग्र आकाश उसके आँगन में उतर आये। जो चीज असम्भव है, उसी की ही प्रत्याशा में वह दिन-रात लगा हुआ है। चाहे उसके लिए उसे अपनी अस्मिता को ही दाँव पर क्यों न लगाना पड़े वह दौड़ रहा है। एक पल भी रुकने का उसके पास समय नहीं है।

आज इनसान अपना सारा समय संसार की नश्वर चीज़ों को ही बटोरने में लगा रहा है। संग्रह की प्रवृत्ति उसमें निरन्तर बढ़ती जा रही है।भौतिक प्यास कभी बुझती नहीं है। जो सम्पदा उसके पास अनादिकाल से है इसकी ओर उसे न कोई ध्यान है और न चाह है। उसका लगाव तो क्षणिक और नश्वर चीजों में ही है। इन सब बातों का उस पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है जिसके कारण उसका जीवन अशांत व अस्थिर है। उसे कदाचित् यह नहीं मालूम है कि दुनियाँ में सारी चीजें किसी एक को नहीं मिल पाती हैं।

अनेकानेक कामनाओं के कारण आज मनुष्य का मन यत्र-तत्र बिखरा हुआ है, अस्थिर है। कदाचित् वह इस बात से अनभिज्ञ है कि वह अपनी समस्त कामनाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। जैसा किसी व्यक्ति का छलनी में जल भरना सम्भव नहीं है, ठीक उसी प्रकार कामनाओं की पूर्ति उसके लिए अशक्य है।आज पूरा विश्व तनावों से जूझ रहा है। तनावों के बोझ तले किसी एक राष्ट्र विशेष के ही नहीं, सभी राष्ट्रों के नागरिक अपना जीवन बसर कर रहे हैं। कोई भी राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज यह एक विकट समस्या है। इसलिए इस पर अनेक चर्चाएँ-परिचर्चाएँ, संगोष्ठियाँ-सेमिनार आदि हो रहे हैं। जब से औद्योगिकीकरण, प्रौद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण पनपा है या विकसित हुआ है, महानगरों में धुएँ उगलते, शोर मचाते यातायात बढ़े हैं, आबादी-भीड़ और मँहगाई बढ़ी है, बाजारों से रोजमर्रा की चीजें कठिनाइयों से उपलब्ध हो रही हैं, जल, वायु, भोजन, सब दूषित प्रदूषित हो रहे हैं, तब तनावों की यह समस्या और भयावह हुई है।

आज अधिकांश मानव तनावों की गिरफ्त में है। यह तो हो सकता है कि अमुक राष्ट्र के लोगों में यह कम या बहुतायत में हो, पर कोई राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। आश्चर्य तो तब होता है जब भारत देश के लोग भी आज तनावों से सर्वाधिक पीड़ित-प्रपीड़ित नजर आ रहे हैं। यहाँ के लोगों की तनावपूर्ण जिन्दगी को देखकर हर कोई यह अनुभव कर सकता है कि आज का भारत पहले का भारत नहीं रहा है।

उसकी छवि निश्चय ही धूमिल हुई है। कभी यह देश आध्यात्मिक शान्ति का मार्गदृष्टा था। यहाँ अध्यात्म की गंगा सतत प्रवहमान थी। शान्त, सहज, सरल व प्रामाणिक जीवन जीने वाले यहाँ के पूर्वज जीने की कला में ही नहीं, मरने की कला में मन की मूढ़ अवस्था में विभिन्न तनाव, रोग पनपते हैं जबकि मन की अमूढ़ता में ये ही तनाव विनसते भी हैं।

मन तनाव का कारण भी है और निवारक भी है। मन की यह विशेषता है कि वह सदा सक्रिय रहता है, जाग्रत रहता है। एक क्षण को भी वह न सोता है और न विश्राम ही लेता है। चाहे निद्रा में व्यक्ति हो या अनिद्रा में, किसी भी स्थिति में हो यह सदा जागता रहता है। यह बात अलग है कि उसका जागरण या उसकी सक्रियता बहिर्जगत् की ओर हो या अन्तर्जगत् की ओर, पर उसकी सक्रियता सदा बनी रहती है। स्वस्थ व तनावरहित रहने के लिए तथा शांति व आनन्द के लिए मन को रोकना नहीं अपितु मन की दिशा को मोड़ना होता है।

संघ के 100 साल: बूंद-बूंद सागर बना

कलकत्ता से डाक्टरी की पढ़ाई कर के लौटे केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना की। वे देश के आजादी के आंदोलन में सक्रिय होकर जेल भी गए। 1940 में उनके निधन तक संघ की पहचान एक बड़े संगठन के तौर पर हो गई थी। उन्होंने अपना उत्तराधिकारी माधव सदाशिव गोलवरकर को बनाया, जो बनारस हिन्दु विश्वविद्यालयमें प्राणी विज्ञान के प्रोफेसर थे।

इस विजयादशमी को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना के सौ स्वर्णिम साल पूरे हो गए। सौ साल पहले डाक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने कुछ साथियों के साथ राष्ट्र जागरण के संकल्प के साथ संघ के रूप में एक दीप जलाया था। इन सौ सालों में वह अखंडज्योति बन कर भारत की आत्मा को आलोकित कर रहा है। उसकी मजबूत उपस्थिति आज समाज के हर क्षेत्र में है। संघ के मौजूदा सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कई बार दोहराया है कि संघ में सबकुछ परिवर्तनशील है, सिवाय इस मूल विश्वास के कि भारत हिन्दू राष्ट्र है।

संघ हिन्दू समाज को संगठित करने और उसे सामर्थ्यवान बनाने का काम कर रहा है। वह न तो किसी का तुष्टिकरण करता है न ही किसी से भेदभाव। संघ के आसपास बने विभिन्न संगठनों में कांग्रेस तो एक हद तक अपनी मौजूदगी बनाए हुए है लेकिन जिस नेता (महात्मा गांधी) के बूते उसे आजाद भारत की सत्ता मिली, उसके विचारों से जुड़ी संस्थाएं मृतप्राय हैं। समाजवादी दल तहस-नहस हो गए। वामदल तमाम टूट-फूट के बाद हाशिए पर पहुंच गए। संघ ने इस सौ साल की यात्रा में तमाम मिथ्या आरोप झेले, तीन-तीन बार प्रतिबंधों का सामना किया और इन सभी बाधाओं को पार कर विश्व का सबसे बड़ा संगठन बना। संघ में निरंतरता बनी रही। इतना ही नहीं वह इस देश को परम वैभव पर पहुंचाने के अपने लक्ष्य के लिए लगातार काम कर रहा है।

संघ ने समाज जीवन के हर क्षेत्र में मानक स्थापित करने वाले संगठन बनाए। वास्तव में उनका कार्यक्षेत्र संघ के सहयोग से संघ से भी बड़ा हो गया है।

अंग्रेजों के शासन से देश को देश को आजाद कराने के आंदोलन के समय अनेक संगठन वजूद में आए। कुछ क्रांतिकारी संगठन तो अपने नेता के न रहने पर या आजादी के साथ समाप्त हो गए लेकिन विचारधारा से जुड़े संगठन आगे भी चलते रहे। 1885 में कांग्रेस की स्थापना भले किसी और उद्देश्य से हुई हो लेकिन बाद में वह आजादी के आंदोलन का ध्वज वाहक बना। जिसमें समाजवादी दल, वाम (तब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी थी) दल या डाक्टर हेडगेवार और उनके साथी, सभी आजादी के आंदोलन में कांग्रेस के साथ ही सक्रिय थे। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की प्रेरणा से आजादी के आंदोलन में सक्रिय होकर डाक्टर हेडगेवार जेल गए लेकिन उनका कांग्रेस नेतृत्व से जल्दी ही मोहभंग हो गया।

डाक्टर हेडगेवार ने संघ के व्यक्ति निर्माण के काम को प्राथमिकता से करना जारी रखा। उनके साथ लोग जुड़ते गए और कारवां बढ़ता गया। संघ की स्थापना 1925 में विजयादशमी के दिन हुई। कलकत्ता (अब कोलकता) से डाक्टरी की पढ़ाई कर के लौटे केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना की। वे देश के आजादी के आंदोलन में सक्रिय होकर जेल भी गए।

1940 में उनके निधन तक संघ की पहचान एक बड़े संगठन के तौर पर हो गई थी। उन्होंने अपना उत्तराधिकारी माधव सदाशिव गोलवरकर (गुरुजी) को बनाया, जो बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय (बीएचयू) में प्राणी विज्ञान के प्रोफेसर थे। उन पर अध्यात्म का प्रभाव ज्यादा था। वे 33 साल तक सरसंघचालक रहे। इस दौरान 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद मिथ्या आरोप में संघ पर 4 फरवरी को प्रतिबंध लगा और गुरुजी समेत बड़ी संख्या में संघ के कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए। 12 जुलाई, 1949 को संघ से प्रतिबंध हटा।

9 जुलाई, 1949 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का गठन हुआ। परिषद् आज देश का सबसे बड़ा छात्र संगठन बना। उसने अपना घोष वाक्य बनाया-छात्र शक्ति, राष्ट्र शक्ति। 1936 में महिलाओं में काम करने के लिए राष्ट्र सेविका समिति बनी। 1955 में भारतीय मजदूर संगठन बना। संगठन के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इसे न केवल देश का सबसे बड़ा संगठन बनाया। इसके साथ 44 फेडरेशन और 5300 यूनियन हैं। उन्होंने मजदूर संगठनों की नई परिभाषा बना दी। नया नारा दिया- देश हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम। 13 दिसंबर, 1950 को राजनीतिक दल जनसंघ का गठन हुआ जो जनता पार्टी से अपनी यात्रा को पूरी करके 1980 में भाजपा बना।

न्यायपालिका के सम्मान पर 'आक्रमण' : 'शब्द-बाण' से प्रारंभ होकर वाट्सअप यूनिवर्सिटी से भ्रमण होकर जूते फेंकने तक पहुंचा

राजीव खण्डेलवाल

एक कहावत बड़ी प्रचलित है, "सिक्के के दो पहलु होते हैं।" जो यह दर्शाती है कि हर स्थिति या मुद्दे के दो आयाम होते हैं। ये एक दूसरे के पूरक होने के बावजूद भी एक-दूसरे के विपरीत होते हैं। शायद इस प्रकरण में यह कहावत फिट होती है या फिट करने का प्रयास किया जा रहा है। कैसे आगे देखते हैं।

सिक्के का एक पहलू 'मजबूत'

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने 6 अक्टूबर के "जूता कांड के जनक" अधिवक्ता 71 वर्षीय बुजुर्ग राकेश किशोर की 16 सितंबर को एक जनहित याचिका जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश के खजुराहो के जावरी मंदिर में 7 फुट सिर कटी विष्णु प्रतिमा के पुनर्स्थापना की मांग की थी, को खारिज करते हुए कहा कि यह मामला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ऐढ के अधिकार क्षेत्र में है, न्यायालय इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। जनहित याचिका सिर्फ प्रचार पाने के लिये की गई है। "अब खुद देवता से पूछो आप भगवान विष्णु के सच्चे भक्त हैं, तो अब जाकर उन्हीं से प्रार्थना कीजिये"....आपकी भावना क्यों नहीं सुधार लेते हैं।

वकील राकेश का नाजायज जवाब

अब तक तो यही सुनते आये हैं कि "पंचों का जूता और मेरा सिर", लेकिन मुख्य न्यायाधीश की उक्त मौखिक टिप्पणियों से उत्तेजित होकर वकील राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंक कर "सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" का नारा लगाया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तथाकथित "बेरोकटोक के पूर्ण अधिकार" का उपयोग करते हुए विभिन्न टीवी चैनलों को इंटरव्यू दिया। सनातन का अपमान करने वाली, मन को आहत करती, असहनीय टिप्पणियों के जवाब में अपने इस "ईश्वरीय प्रेरणा" "कृत्य को सही ठहराते हुए कहा कि "क्रिया की प्रतिक्रिया होती है"। यद्यपि "जूता कांड" के घटित होने के पूर्व ही सोशल मीडिया के एक वर्ग में उनके कथन को लेकर चल रही आलोचनाओं को ध्यान में लाए जाने पर मुख्य न्यायाधीश ने 18 सितंबर को ही अपना स्पष्टीकरण निम्न शब्दों में दे दिया था। "टिप्पणी किसी धर्म के खिलाफ नहीं थी। उन्होंने कहा, "मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं और सम्मान करता हूं।" मेरी टिप्पणी केवल प्रशासनिक संदर्भ में थी, न कि धार्मिक आस्था पर।" तब मामला वहीं शांत होकर समाप्त हो जाना चाहिए था। लेकिन दुर्भाग्यवश ऐसा हुआ नहीं, और मुख्य न्यायाधीश का स्पष्टीकरण "मखमल के पर्दे पर टाट का पैबंद" हो कर रह गया। इससे तो यह महसूस होता है कि मुख्य न्यायाधीश को उक्त टिप्पणियों को ही वापिस ले लेना चाहिए था, बजाए स्पष्टीकरण देने के।

तुरंत (इंस्टेंट) प्रतिक्रिया क्यों नहीं?

मुख्य न्यायाधीश की 16 सितंबर को की गई टिप्पणियों का जवाब तुरंत न देकर 20 दिन बाद 6 अक्टूबर को आना ही संदेह पैदा करता है, जिसे "बल" सोशल मीडिया में आ रही निम्न स्तरीय प्रतिक्रियाओं के बाद से मिलता है। गांधीवादी "अहिंसात्मक प्रतिरोध" तो तुरंत ही किया जा सकता था? (वैसे जूते फेंकना "अहिंसात्मक क्रिया" है यह एक अलग डिबेट का विषय है) क्या उस दिन वे जूता पहन कर नहीं आए थे? वकील राकेश को "गांधीवादी" अहिंसक प्रतिरोध के लिए धन्यवाद जरूर दिया जाना चाहिए? क्योंकि यदि वे क्रांतिकारी भगत सिंह समान विचार के होते तो, सनातन धर्म के अपमान की प्रतिक्रिया में शायद कोर्ट रूम को "असेंबली" मानकर........ देते?

न्यूटन की गति का तीसरा नियम:

"प्रत्येक क्रिया के लिए, एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है।" अर्थात प्रत्येक क्रिया के बराबर और विपरीत दिशा में प्रतिक्रिया होती है। तथाकथित आरोपी (चूंकि उसके खिलाफ मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया) वकील से लेकर सोशल मीडिया में न्यूटन के उक्त तीसरे वैज्ञानिक सिद्धांत को जिस बेशर्म तरीके से लागू किया जा रहा है, वह भी एक इतिहाई "बेगैरत सबब हो गया है"। मुख्य न्यायाधीश की मौखिक टिप्पणी की "क्रिया की 'जबरदस्त प्रतिक्रिया'" सोशल मीडिया में देखने को तो मिली। परंतु युक्त टिप्पणी के स्पष्टीकरण की वैसी, "क्रिया की प्रतिक्रिया" सोशल मीडिया में देखने में नहीं आई। यहां इस बात का उल्लेख करना नितांत आवश्यक है कि इस बात से कोई "असहमत" नहीं हो सकता है कि मुख्य न्यायाधीश की उक्त टिप्पणियां अवांछित और अनावश्यक होकर किसी भी रूप से प्रकरण के गुण-दोष से संबंधित नहीं थी। शायद इसी कारण आलोचना होने पर मुख्य न्यायाधीश को अपना स्पष्टीकरण देना पड़ा। माननीय न्यायाधिपति के बचाव में कहीं यह भी कहा गया कि वे टिप्पणी हल्की-फुल्के, हास-परिहास, चुटकी लेने वाले अंदाज में की गई थी?

न्यायाधीशों के निर्णय लिखने के लिए क्या 'न्यायिक संहिता' नहीं बनाई जानी चाहिए?

आजकल न्यायालय में आम चलन हो गया है कि माननीय न्यायाधीश गण सुनवाई के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियां कर बैठते हैं जिनका या तो मामले से कोई संदर्भ नहीं होता है अथवा जो निर्णय के भाग नहीं होती है। परंतु "बेगानी शादी में दीवाना हुए अब्दुल्ला" के समान सोशल मीडिया, निर्णय को लेकर कम, किंतु उन टिप्पणियों को लेकर प्रतिक्रिया में ज्यादा व्यस्त हो जाता है, जो न्यायालय, न्यायाधीश और निर्णय के सम्मान को समग्र रूप से चोट पहुंचा देती है। अतः न्यायिक निर्णयों का सम्मान बचाने के लिए एक "कोड" बनाए जाने की नितांत-निहायत आवश्यकता है।

सिक्के का दूसरा पहलू "कमजोर

बड़ा महत्वपूर्ण एक प्रश्न यहां यह भी उत्पन्न होता है कि इस तरह की टिप्पणियों के विचार, भावना, मत, माननीय न्यायाधिपति के मन दिल-दिमाग में आये कैसे? यह एक गंभीर चिंतांजनक प्रश्न होकर विश्लेषण का विषय हो सकता है। तथापि उन्होंने स्पष्टीकरण देकर अपनी तरफ से उत्पन्न विवाद को समाप्त कर दिया था। लेकिन दुर्भाग्यवश "न्यूटन के सिद्धान्त" को जिस वेग से मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणियों के कृत्य पर लगाया गया, वही बल व तीव्रता उनके स्पष्टीकरण के कृत्य पर नहीं थी।

इसलिए तराजू के "अवांछित कथन का पलड़ा" जज के "स्पष्टीकरण के पलड़े" की तुलना में इतना भारी हो गया कि परिणाम स्वरूप बकील वकील राकेश किशोर ने निराशा में न्याय न मिलने के कारण स्वयं न्याय लेने और देने के परिपेक्ष में "उक्त तथाकथित न्याय देकर" न केवल स्वयं को संतुष्ट कर लिया, बल्कि अंततः वकील के "कुकृत्य" को यह मानते हुए "कांटे से कांटा" निकालने की कहावत हर जगह चरितार्थ नहीं होती" कोई कार्रवाई न करने के निर्देश देकर न्यायपालिका भी वकील द्वारा "जज" बनकर दिए "न्याय" से संतुष्ट हो गई? परन्तु संपूर्ण न्यायिक क्षेत्र में 'असुरक्षा" का भाव पुन: पैदा कर गई।

यह पहली घटना नहीं

विश्व से लेकर हमारे देश में सार्वजनिक मंचों पर जूते फेंकने की अनेकोनेक घटनाएं हुई है। लेकिन न्यायपालिका जैसी "पवित्र मंदिर" की यह पहली घटना है। सनातनी धर्म के मंदिर की बात करने वालों के लिए भी "न्यायपालिका एक मंदिर है" इसकी जितनी भी निंदा की जाए उतनी कम है। तथापि मुख्य न्यायाधीश को प्रकरण की सुनवाई के दौरान कुछ कानूनी रूप से अप्रभावी टिप्पणियों पर की जा रही भद्र भाषा की आलोचना को (अभद्र तरीके से ट्रोल किए जाने को नहीं) गलत नहीं कहा जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं यूजी-3 सिल्वर सेंचुरा कैसल साउथ तुकोगंज इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित, पिनकोड-452001 प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो :- 09977701999
समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकांत सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, ईमेल आईडी: madhyaswarnimindore@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। MPHIN/2025/A1708

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

भोपाल में गांजा खपाने आये यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। शहर की गौतम नगर थाना पुलिस ने दो ऐसे गांजा तस्करो को गिरफ्तार किया है, जो यूपी के रहने वाले है, और नशीला पर्दाथ खपाने के लिये भोपाल आये थे। आरोपियो के पास से 2 लाख 60 हजार कीमत का 13 किलो गांजा जप्त किया गया है। गौतमनगर थाना टीआई महेन्द्र सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया की मंगलवार 8 अक्टूबर को मुखविर से सूचना मिली की दो सदिंग्ध युवक अपने पास एक-एक ट्राली बैग में गांजा लेकर उसकी डिलेवरी देने के लिये रेशम केंद्र गोल घेरे के पास किसी का इंतेजार कर रहे है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर दोनो युवको को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपियो की पहचान रेहान पिता निसार (21) और मोहीन पिता राशिद (20) दोनो निवासी नई बस्ती ग्राम लावाड तहसील सरधना थाना इनचोली जिला मेरठ यूपी के रुप में हुई। उनके पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर गांजा मिला। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला कायम कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपियो को रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ कर रही है। अफसरो का कहना है की पूछताछ के बाद ही साफ हो सकेगा की तस्कर यह गांजा कहॉ से लेकर आये थे, और राजधानी में इसकी डिलेवरी किसे देने कि फिराक में थे। पूछताछ के आधार पर पुलिस तस्करो के अन्य साथियो के खिलाफ भी कार्यवाही करेगी।

बेरहमी से पीटने के बाद निगरानी बदमाश की गले में नुकीला हथियार घोपंकर हत्या

भोपाल। नये शहर के शाहपुरा इलाके में 12 नंबर शेड के पास चाय की दुकान के नजदीक झाड़ियों में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ललिता नगर में रहने वाले निगरानी बदमाश अजय उर्फ चंदू कुशवाह (23) के रुप में हुई है। पुलिस की शुरुआती जॉच में सामने आया है की मृतक के साथ बेल्ट और लात घूसों से जमकर मारपीट करते हुए उसके गले में नुकीली चीज घोंपकर हत्या की गई है। घटना बुधवार रात करीब दस बजे की है। जॉच के दौरान पुलिस को घटना स्थल से टूटे हुए बैल्ट के टुकड़े मिले हैं। वहीं परिजनों ने हत्या का आरोप तीन युवकों पर लगाया है। आरोप है कि इन्ही तीनों से मृतक की पुरानी रजिंश चल रही है, और उन्होनें ही उसे फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। मिली जानकारी के अनुसार अजय कुशवाह के पिता विनोद कुशवाह की शाहपुरा इलाके में 12 नंबर शेड पर उनकी चाय की दुकान है। इन दिनों विनोद बीमारी के कारण दुकान नहीं जा रहे हैं। इसके चलते दुकान अजय ही संभाल रहा था। रात करीब 11:30 बजे झाड़ियों में शव देखने के बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। 12 नंबर शेड के करीब सुनसान इलाका है। रात को झाड़ियों से अजय की लाश को बरामद किया गया है।

भोपाल में गांजा खपाने आये यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। शहर की गौतम नगर थाना पुलिस ने दो ऐसे गांजा तस्करो को गिरफ्तार किया है, जो यूपी के रहने वाले है, और नशीला पर्दाथ खपाने के लिये भोपाल आये थे। आरोपियो के पास से 2 लाख 60 हजार कीमत का 13 किलो गांजा जप्त किया गया है। गौतमनगर थाना टीआई महेन्द्र सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया की मंगलवार 8 अक्टूबर को मुखविर से सूचना मिली की दो सदिंग्ध युवक अपने पास एक-एक ट्राली बैग में गांजा लेकर उसकी डिलेवरी देने के लिये रेशम केंद्र गोल घेरे के पास किसी का इंतेजार कर रहे है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर दोनो युवको को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपियो की पहचान रेहान पिता निसार (21) और मोहीन पिता राशिद (20) दोनो निवासी नई बस्ती ग्राम लावाड तहसील सरधना थाना इनचोली जिला मेरठ यूपी के रुप में हुई।

रेडक्रॉस द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का भव्य समापन

भोपाल। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा आयोजित ''सेवा पखवाड़ा'' कार्यक्रम का समापन आज वनवासी परिषद, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में किया गया। इस अवसर पर विविध जनहितैषी गतिविधियों में सहयोग देने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बरकत उल्लाह विश्व विद्यालय के कुलगुरु डॉ. एस.के. जैन, विशिष्ट अतिथि बी.एस. वाजपेयी, चेयरमैन, मदर टेरेसा स्कूल, कोलार रोड तथा कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला भोपाल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया।

मप्र के प्रमुख शहरों में चंद्रोदय का समय अलग-अलग

इस साल चंद्रमा भी होगा आपके ज्यादा पास, करवा चौथ आज, भोपाल में 8 :26 पर निकलेगा चांद

भोपाल। करवा चौथ पर मध्य प्रदेश के शहरों में कब दिखेगा चांद, भोपाल। हिंदू धर्म में करवा चौथ के त्योहार का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष करवा चौथ का व्रत 10 अक्तूबर को रखा जाएगा। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। रात को जब चंद्रमा के दर्शन होते हैं तो चंद्रदेव की पूजा करके अर्घ्य अर्पित करते हुए अपने पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ती हैं। हम आपको बता रहे हैं कि आपके शहर में चांद कब निकलेगा।

बिना किसी भेदभाव के सभी को चांदनी देने वाला चंद्रमा इस करवाचौथ पर आपके अपने शहर में कब उदित होगा और इसके कितने देर बाद आप इसका दर्शन कर पाएंगी। नेशनल

अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि मध्यप्रदेश के पूर्वी शहर सिंगरौली में यह सबसे पहले दिखेगा तो पश्चिमी भाग आलीराजपुर में सबसे अंत में दर्शन देना आरंभ करेगा। मध्यप्रदेश की इस पूर्व पश्चिम चंद्रयात्रा में 39 मिनिट का समय लग जाएगा।

इस बार चांद का आकार भी दिखेगा बड़ा

सारिका ने बताया कि पूर्वी शहरों में चंद्रमा न केवल जल्दी निकलेगा, वह उन शहरों के कुछ नजदीक भी होगा। जैसे जैसे पश्चिम के ओर बढ़ेंगे उसके उदित होने का समय तो बढ़ेगा ही इसकी पृथ्वी से दूरी कुछ किलोमीटर भी बढ़ती जाएगी। चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी लगभग 3 लाख 61 हजार 331 किमी होगी जो अलग-अलग शहरों के लिए अलग-अलग होगी। चंद्रमा का 89.3 प्रतिशत भाग चमकता दिखेगा। इस साल करवाचौथ पर यह पृथ्वी के पास में है इसलिए यह अपेक्षाकृत बड़ा दिख रहा होगा। राजधानी में यह 08 :26 पर उदित होना आरंभ होगा। यह समय क्षितिज से चंद्रमा के निकलना आरंभ होने का है। लगभग 20 मिनट बाद यह पूर्ण आकार और कुछ उंचाई पर आएगा, जब आप इसे पूर्वी आकाश में ठीक से देख पाएंगी। इस प्रकार आप लगभग 08 :45 पर ठीक प्रकार से चंद्रदर्शन कर पाएंगी।

भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव यात्रा के समापन कार्यक्रम में हुए वर्चुअली शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा में शामिल सभी संतों, तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ और विश्व हिंदू परिषद का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज उज्जैन एक अद्भुत क्षण का साक्षी बन रहा है। यात्रा में सम्मिलित सभी सहभागी उस मार्ग पर चलकर आए हैं, जिस पर हमारे आराध्य श्रीकृष्ण शिक्षा ग्रहण करने के लिए मथुरा से उज्जैन स्थित आचार्य सांदीपनी के आश्रम पधारे थे।

संतगण को उस पावन मार्ग से गुजरने का अवसर मिला, जहां श्रीकृष्ण की चरणरज पड़ी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मथुरा से आरंभ श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा के उज्जैन में आयोजित समापन समारोह को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मथुरा से 5 अक्टूबर को आरंभ हुई यात्रा जयपुर, कोटा, झालावाड़ और आगरा होते हुए उज्जैन पहुंची थी। उज्जैन के समापन कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ महाराज, विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह, तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रयागनाथ चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनी आश्रम गुरू-शिष्य परम्परा की अनादि महिमा का साक्षात प्रतीक है। जहां हर कण में श्रीकृष्ण की विनम्रता, बलराम की शक्ति और सुदामा की भक्ति समाई हुई है। हमारे गुरूकुल आदि काल से भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग हैं। सांदीपनी आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा पाई और संसार को गीता का उपदेश देकर योगीराज बने। हमारी सनातन संस्कृति का परम ज्ञान परमार्थ है। हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ग्रामवासियों की रक्षा की और कुरूक्षेत्र में अर्जुन को गीता के माध्यम से धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाया। उनका सारा जीवन समाज और धर्म की रक्षा के लिए था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान, संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम है। यह यात्रा नई पीढ़ी में नैतिकता, आत्मविकास और भारतीय संस्कृति का दीप प्रज्जवलित करने का प्रयास है। राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने का कार्य कर रही है।

सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में वेद-वेदान्त विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। अमझेरा में चित्रकला, मूर्तिकला और पारम्परिक नृत्य-संगीत कला की शिक्षा दी जाएगी तथा इसे श्रीकृष्ण-रूक्मणी लोक के नाम से जाना जाएगा। जानापाव में सुदर्शन लोक की स्थापना की जाएगी, जहां आयुध कौशल के साथ-साथ पारम्परिक और आधुनिक युद्ध शैली का ज्ञान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ?कि सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ किया जाएगा। राज्य सरकार प्रदेश में सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में कोई कमी नहीं रहने देगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा परम्परा को जीवन में आत्मसात करने का आव्हान भी किया। उज्जैन में आयोजित समापन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संतगण की उपस्थित रही। इनमें महामण्डलेश्वर शांतिस्वरूपानंद जी सरस्वती, महामण्डलेश्वर आचार्य शेखर जी, महामण्डलेश्वर शैलेषानंद जी गिरी, जूना अखाड़ा, महामण्डलेश्वर ज्ञानदास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, महामण्डलेश्वर भागवतानंद गिरी जी, अंवतिका पीठाधीश्वर, रंगानाथाचार्य जी महाराज, महामण्डलेश्वर मनीष महाराज ददुवा आश्रम तथा तिरूपतिधाम युवराज राघवेन्द्र जी प्रमुख है।

सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का नया प्लान

अब हर जिले में केंद्र सरकार के महत्वपूण पोर्टल पर सक्रिय रहेगीं पुलिस टीमें

भोपाल। प्रदेश में बढ़ते सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अब हर जिले में केंद्र सरकार के महत्वपूण पोर्टल पर सक्रिय होगी। इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसमें नेशनल सायबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और जेएमआईएस पोर्टल के महत्व को भी बताया गया है, कि इस पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण जल्द से जल्द किया जाए।

जानकारी के अनुसार एनसीआरपी पर सभी तरह की सायबर संबंधी शिकायतें दर्ज करने की सुविधा दी गई है। इस पर थाना और जिला पुलिस कार्यवाही करती है, इस पोर्टल पर महिला एवं बच्चों से संबंधित, वित्तीय धोखाधड़ी सहित अन्य सायबर संबंधी अपराधों की शिकायतें आती है।

वहीं इस पोर्टल पर सिम ब्लाकिंग, सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध सर्च आदि की भी शिकायत आने लगी है। इन पोर्टल पर आने वाली हर शिकायत पर गंभीरता के साथ जांच किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सिम और आईएमईआई नंबर के साथ ही सायबर अपराध की विवरण रिपोर्ट आदि जेएमआईएस पोर्टल पर साझा की जाती है।

इस पोर्टल के जरिए राज्य की पुलिस सायबर अपराध जांच से संबंधित गिरफ्तार, जब्ती, पूछताछ रिपोर्ट साझा करे ताकि जिन रिपोर्ट का उपयोग अन्य मामलों के साथ ही अपराधियों की पहचान करने के लिए किया जा सके। वहीं रिपोर्ट किए जाने वाले संदिग्ध बैंक खातों का डाटाबेस भी बैंक अकाउंट बेस्ड इंटरलिंक पर रिपोर्ट किये जाए। जिससे सभी राज्यों को संदिग्ध बैंक खातों की पहचान और कार्यवाही में मदद मिल सके। सायबर इंवेस्टिगेशन एसिस्टेंस रिक्वेस्ट (सीआईएआर) सभी जिलों को राज्य के नोडल अधिकारी को एक दूसरे से जोड़ेगा। इसके जरिए दस्तावेज सत्यापन, समन-नोटिस और गिरफ्तारी वारंट भी अपलोड किए जा सकेंगे।

भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस 13 अक्टूबर से एक थर्ड एसी कोच के साथ संचालित होगी

भोपाल। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी संख्या 22161 / 22162 भोपाल-दमोह-भोपाल के बीच संचालित होने वाली राज्यरानी एक्सप्रेस में स्थाई रूप से एक सामान्य श्रेणी कोच के स्थान पर एक तृतीय श्रेणी वातानुकूलित कोच लगाए जा रहे है। राज्यरानी एक्सप्रेस में भोपाल स्टेशन से प्रारम्भ होने वाली 13 अक्टूबर 2025 से और दमोह से प्रारम्भ होने वाली 14 अक्टूबर 2025 से इस थर्ड एसी कोच की सुविधा का लाभ मिलेगा। कोच संरचना :- इस गाड़ी में उक्त तिथि से 5 सामान्य श्रेणी, 6 द्वितीय श्रेणी, 1 वातानुकूलित चेयरकार, 1 थर्ड एसी, 02 एसएलआरडी सहित कुल 15 कोच होंगें। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि राज्यरानी एक्सप्रेस में यात्री उक्त तिथि से स्थाई थर्ड एसी कोच सुविधा का लाभ लें सकते है। यात्री गाड़ियों की समय-सारिणी एवं ठहराव की जानकारी के लिए रेल मदद 139 या एनटीईएस ऐप का उपयोग करें।

12 अक्टूबर को पिलाई जाएगी पोलियो खुराक, कलेक्टर ने ली टास्क फोर्स बैठक

भोपाल। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 12 अक्टूबर को आयोजित होगा,जिसमें 5 साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो दवा का सेवन कराया जाएगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में टास्क फोर्स बैठक आयोजित की गई। जिसमें पल्स पोलियो अभियान पर चर्चा कर शत - प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों सहित शासकीय एवं निजी मेडिकल कॉलेज, शिक्षा विभाग, रेलवे अस्पताल, सीआरपीएफ, रोटरी क्लब, विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अभियान के तहत भोपाल के साढ़े तीन लाख बच्चों को दवा पिलाई जाएगी।

बैठक में कलेक्टर द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग को पोलियो अभियान में सहयोग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पोलियो से सुरक्षा को बरकरार रखने के लिए परिजनों से इस दवा के सेवन का आग्रह किया गया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने अभियान के सघन प्रचार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से 5 साल तक की उम्र के बच्चों के परिवारों को जानकारी देने, अंतर्विभागीय सहयोग, अभियान की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थपित करने के लिए निर्देशित किया।

अभियान के पहले दिन ही अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो बूथ पर दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसके लिए जिले में 2699 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर 6144 टीकाकर्मी दवा पिलाएंगे ।अभियान की मॉनिटरिंग के लिए 360 सुपरवाईजरों की ड्यूटी लगाई गई है।

फार्मेसी काउंसिल का आदेश जमीन पर बेअसर

जेलों में मेल नर्स कर रहे दवा वितरण का काम, एक्ट का उल्लंघन

भोपाल। प्रदेश में कफ सिरप से लगातार हो रही बच्चों की मौत के बाद मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा फार्मेसी एक्ट 1948 की धारा 42 के तहत एक आदेश जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि दवाओं से संबंधित कोई भी कार्य केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट द्वारा ही किया जा सकता है। गैर-पंजीकृत व्यक्ति अगर ऐसा करते पाए जाते हैं, तो इस प्रावधान के तहत आरोपी को तीन महीने की जेल, दो लाख रुपए जुर्माना या दोनों ही सजा दी जा सकती है।

मेल नर्स कर रहे दवा वितरण

जानकारी के अनुसार, कुछ वर्ष पहले जेल विभाग में 60 फार्मासिस्ट की जगह मेल नर्सों की भर्ती की गई, जो अब फार्मेसी से जुड़ा समस्त कार्य कर रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट रूप से फार्मेसी एक्ट की धारा 42 का उल्लंघन है, जिसमें गैर-पंजीकृत व्यक्ति द्वारा दवा वितरण या फार्मेसी का कोई भी कार्य प्रतिबंधित है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या कि फार्मेसी काउंसिल इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए सिर्फ निजी संस्थानों तक सीमित रहेगी या फिर शासकीय विभागों जैसे जेल, स्वास्थ्य उपकेंद्र आदि में भी इस पर कार्रवाई करेगी? इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन, मध्यप्रदेश ने मांग की है कि प्रदेशभर में जहां भी गैर-फार्मासिस्ट से फार्मेसी कार्य कराया जा रहा है, वहां फार्मेसी एक्ट 1948 की धारा 42 के तहत तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ऑटो चालक और वेल्डर ने चुराया था कारोबारी की कार से साढ़े 3 करोड़ का सोना-चॉदी

नशे में कार में सो गया था व्यापारी, तभी आरोपियो ने कर दिया हाथ साफ

भोपाल। शहर की निशातपुरा थाना पुलिस ने नशे में सो रहे सोना कारोबारी की कार से साढ़े तीन करोड़ का सोना-चॉदी चोरी करने वाले दोनो आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया है। फरियादी सफर के दौरान रास्ते में नशे की हालत में कार में सो गया था, उसी दौरान आरोपियो ने उसकी कार में रखे सोने 3 किलो 330 ग्राम वजनी तीन करोड़ 40 लाख कीमत के सोने के और 1 लाख 20 हजार के चॉदी के जेवरात सहित 4 लाख 50 हजार की नगदी चोरी कर ली थी।

पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने घटना का खुलासा करते हुए बताया की बीती 7 अक्टूबर 2025 को राम बाबू राठौर पिता छोटेलाल राठौर

(46) निवासी विनायक वैली कालोनी साई ने शिकायत करते हुए बताया की वह वह सोना कारोबारी है, और उसकी न्यू श्री महावीर आदर्श ज्वलर्स नाम से रिसालदार कालौनी छोला मंदिर में दुकान है। वो अलग-अलग शहरो में जाकर फेरी लगाकर सोने-चांदी के जेवरात बेचने का काम करता है। 6 अक्टूबर को सुबह करीबन 10 से 11 बजे के बीच वो दुकान से जेवरात बेचने के लिये बैग में भरकर कार से बीना जिला सागर गया था। लेकिन वहाँ बारिश अधिक होने के कारण जेवरात की बिक्री नहीं हो सकी। इसके बाद वह जेवरात से भरा बैग लेकर भोपाल आ गया। रात करीब 11 बजे भानपुर स्थित एक ढाबे पर खाना खाने के बाद उसने कार में शराब पी और घर के लिये चल दिया।

रास्ते मे चक्कर आने पर उसने बेस्ट प्राईस के सामने करौंद में कार को सड़क किनारे खड़ा आराम करने के लिये ड्रायवर सीट पर ही लेट गया और उसकी नींद लग गई। अगली अलसुबह करीब 4 बजे उसकी नींद खुली तो देखा कि उसकी कार में रखा सोने-चॉदी और नगदी से भरा बैग चोरी हो चुका था। राम बाबू राठौर की शिकायत पर निशातपुरा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला कायम कर आरोपी की सुरागशी के लिये थाना निशातपुरा, गांधी नगर और थाना छोला मंदिर की संयुक्त टीम तैयार की गई।

कोलार में मिले मानव अंग महिला के होने की आशंका

भोपाल। राजधानी भोपाल के कोलार थाना क्षेत्र में डी मार्ट के पास खाली पड़े एक प्लॉट के अंदर पानी में मिले मानव अंगों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने मानव अंगों को देखकर अंदाजा लगा रही है कि यह किसी महिला के हो सकते हैं। बुधवार को दोपहर तक उस प्लॉट और गड्ढे में भरे पानी को मोटर लगाकर खाली करा दिया गया, लेकिन मृतक कर सिर और धड़ अभी तक नहीं मिला है। पुलिस ने मानव अंगों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे मॉर्चुरी में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों का कहना है कि हड्डियों से प्रतीत हो रहा है कि मृतक वयस्क था। हालांकि चिकित्सकों ने भी यह स्पष्ट नहीं किया कि मृतक महिला था या पुरूष। फिलहाल पुलिस महिला मानकर ही जांच के बिंदु तय कर पड़ताल में जुटी है।

सिर और धड़ की तलाश में जुटी पुलिस

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

शुपालकों की आय में वृद्धि के लिए दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

नर्मदापुरम। प्रदेश में 02 अक्टूबर से 09 अक्टूबर 2025 तक दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान संचालित किया जा रहा है। विभागीय अधिकारी/कर्मचारी/मैत्री, घर-घर जाकर संपर्क कर पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य के संबंध में पशुपालकों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में 10 या 10 से अधिक पशु रखने वाले जिले के भारत पशुधन ऐप पर पंजीकृत 5227 पशुपालकों से संपर्क किया गया। इसी प्रकार 06 अक्टूबर तक 3759 पशुपालकों से घर- घर जाकर सम्पर्क किया जा चुका है। जोकि लक्ष्य का 70 प्रतिशत है। जिसकी राज्य स्तर पर की जा रही मॉनिटरिंग में जिले को 10 वॉ स्थान प्राप्त है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार चलाये जा रहे दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान को पशुपालकों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके साथ ही संभागीय संयुक्त संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ0 सुनील परनाम एवं राज्य स्तर से नोडल अधिकारी डॉ अर्चना दाते द्वारा जिले के विभिन्न विकासखण्डों के ग्रामों में व्यक्तिश: पशुपालकों से भेट कर अभियान का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. श्रीमति कीर्ति नेमा द्वारा अधिकारियों के साथ लगातार भ्रमण भी किया जा रहा है। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें नर्मदापुरम डॉ.सी. के. दुबे ने पशुपालकों से अपील की है कि शासन की इस हितकारी योजना के तहत अवश ?य लाभ उठायें।

साइबर अपराध से बचाव हेतु नागरिकों को किया जा रहा जागरूक

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अवसर पर नर्मदापुरम पुलिस द्वारा नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव हेतु विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, हैकिंग, सोशल मीडिया फॉड और अन्य साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देना है। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम ने बताया कि नागरिक अपने बैंक, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, जॉब या लॉटरी से संबंधित किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साथ ही अनजान लिंक, क्यूआर कोड या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए संदेशों पर क्लिक करने से बचें। जिले से संबंधित साइबर अपराध से जुड़ी किसी भी शिकायत के लिए नागरिक 1930 अथवा नर्मदापुरम सायबर पुलिस हैल्पलाइन नं 7049126590 पर संपर्क कर सकते हैं या वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट दर्ज कर सकते हैं। सायबर अपराधों पर सावधानी बरतने के लिए जिला सायबर सेल द्वारा सायबर साथी नाम से वॉट्सएप चैनल भी तैयार किया है जिसे जॉइन कर सायबर अपराधों से बचाव के तरीको को समझाा जा सकता है। चैनल को जॉइन करनें के लिए https://whatsapp.com/channel/0029Vb0nzz3rZZXYDUrrq25 लिंक है। अभियान के अंतर्गत लोगों को क्या करें और क्या न करें के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है, जिसमें साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियमों जैसे मजबूत पासवर्ड का उपयोग, सोशल मीडिया पर गोपनीय जानकारी साझा न करना और बैंक संबंधी कॉल की पुष्टि करना शामिल है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे जागरूक रहें, सावधान रहें और किसी भी प्रकार के साइबर अपराध की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान" के माध्यम से 4,552 मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा

नर्मदापुरम। सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली की मीडिएशन एण्ड कंसीलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी (एम.पी. सी.सी.) एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक राष्ट्रव्यापी मीडिएशन फॉर द नेशन 90 दिवसीय विशेष अभियान प्रारंभ किया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्ययालय के मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमान संजीव सचदेवा एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति एवं कार्यकारी अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमान अतुल श्रीधरन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश राज्य में उच्च न्यायालय जिला न्यायालयों एवं तहसील न्यायालयों में उक्त विशेष अभियान का सफलतापूर्वक संचालन किया गया एवं उक्त अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अनेक प्रयास किये गये। न्यायालयों में लंबित मामलों के सुलह समझौते के आधार पर निराकरण हेतु अधिवक्तागण, पक्षकारों एवं आमजन को प्रोत्साहित किया गया। उक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश राज्य में उक्त अभियान के अंतर्गत कुल 4552 प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्मम से किया गया है। मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सचिवालय, इटारसी, सोहागपुर एवं सिवनीमालवा में प्रधान जिला न्यायालय, नर्मदापुरम् एवं सिवनीमालवा में प्रधान जिला न्यायालय, धर्मशाला, इटारसी, सोहागपुर एवं सिवनीमालवा में प्रधान जिला न्यायालय का संचालन किया गया। जिला नर्मदापुरम में 132 से अधिक लंबित प्रकरणों का विशेष अभियान के तहत मध्यस्थता के माध्यम से काम किया गया।

धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु PCSAP पोर्टल के संचालन के संबंध में प्रशिक्षण संपन्न

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु निर्धारित केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं को PCSAP पोर्टल पर अपलोड करने के संबंध में बुधवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के समिति प्रबंधक एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों ने सहभागिता की। जिला आपूर्ति अधिकारी रश्मि साहू द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देते हुए बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज उपार्जन के लिए केंद्रों पर निर्धारित 16 आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की जानी हैं। इन सुविधाओं में पेयजल व्यवस्था, जल निकासी, अपशिष्ट प्रबंधन, प्राथमिक उपचार बॉक्स, शौचालय, पक्की सड़क, हेल्प डेस्क, किसानों के बैठने हेतु भवन, कैंटीन, अनाज उतारने हेतु सीमेंट फर्श, कैलिब्रेशन युक्त तौल कांटा, बिजली कनेक्शन एवं जनरेटर बैकअप, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सूचना दीवार, भंडारण हेतु गोदाम/वेयरहाउस, सुरक्षाकर्मी, अग्निशमन व्यवस्था तथा ग्रेडिंग हेतु पावर पंखे/पावर क्लीनर की उपलब्धता आवश्यक है।

नर्मदापुरम में झोलाछाप डॉक्टरों पर शिकंजा

स्वास्थ्य विभाग ने 3 क्लीनिक किए सील बिना डिग्री मरीजों को लगा रहे थे ड्रिप

नर्मदापुरम (मध्य स्वर्णिम)।

नर्मदापुरम जिले में लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। इटारसी और डोलरिया क्षेत्र में की गई छापेमारी में बिना डिग्री के इलाज कर रहे तीन झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक सील कर दिए गए। जांच के दौरान इन क्लीनिकों पर मरीजों को ड्रिप लगाते और एलोपैथिक दवाएं देते हुए पाया गया। टीम ने भारी मात्रा में एलोपैथिक दवाएं भी जब्त की हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम सबसे पहले इटारसी के खेड़ा क्षेत्र में स्थित 'मां क्लीनिक' पर पहुंची। यहां तनमय गोस्वामी नाम का व्यक्ति खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों का एलोपैथी पद्धति से इलाज करते हुए मिला। जब टीम ने उससे डिग्री, डिप्लोमा या क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन मांगा तो वह कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया, जिसके बाद क्लीनिक को सील कर दिया गया।

डीएचओ बोले- आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

टीम का नेतृत्व कर रहे डीएचओ-1 डॉ. सुजन सेंगर ने बताया कि जहां भी नियमों के अनुसार पात्रता और योग्यता संबंधित दस्तावेज नहीं मिले, उन क्लीनिकों को तुरंत सील किया गया है। उन्होंने कहा कि जिले में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रामपुर में मरीजों को लगी थी ड्रिप

दूसरी कार्रवाई डोलरिया के रामपुर गुर्रा में हुई, जहां अशोक कुमार बागची दो कमरों में पूरा अस्पताल चला रहा था। टीम के पहुंचने पर वहां दो मरीजों को ड्रिप लगी हुई मिली। अशोक बागची के पास भी इलाज करने के लिए कोई डिग्री या डिप्लोमा नहीं था। टीम ने यहां से एलोपैथी दवाएं जब्त कर क्लीनिक को सील कर दिया।

रामपुर गुर्रा में क्लीनिक पर भी हुई कार्रवाई

तीसरी कार्रवाई भी रामपुर गुर्रा में ही एक बेनाम क्लीनिक पर की गई। यहां पल्लव मंडल नाम का व्यक्ति बिना किसी डिग्री या योग्यता के डॉक्टरी कर रहा था। जब टीम ने उससे रजिस्ट्रेशन और योग्यता संबंधित दस्तावेज मांगे तो वह घबरा गया। इसके बाद इस क्लीनिक को भी सील कर दिया गया।

खाद के लिए कतार में लगे किसानों में विवाद

मारपीट कर सोने की चेन व 20 हजार छीनने का आरोप

नर्मदापुरम (मध्य स्वर्णिम)।

नर्मदापुरम जिले के सेमरी हरचंद में खाद के लिए कतार में लगने को लेकर किसानों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि चार लोगों ने मिलकर एक किसान के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित किसान ने आरोपियों पर उसकी सोने की चेन और जेब में रखे 20 हजार रुपए छीनने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने बुधवार देर रात इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, फरियादी शिवाकांत रघुवंशी सोहागपुर के निवासी हैं। उन्होंने रानीगोहन गांव के रहने वाले अशोक पटेल, छोटू पटेल और उनके दो अन्य साथियों पर मारपीट और लूट का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि फरियादी और आरोपी, सभी किसान हैं और बुधवार को सेमरी हरचंद के डबल लॉक गोदाम पर खाद लेने आए थे। फरियादी शिवकांत ने अपनी शिकायत में बताया कि वह बुधवार को खाद लेने के लिए कतार में लगे थे, जहां आरोपी भी मौजूद थे।

इसी दौरान कतार में लगने को लेकर उनका अशोक पटेल और छोटू पटेल से झगड़ा हो गया। शिवकांत का आरोप है कि इसके बाद अशोक, छोटू और उनके दो अन्य साथियों ने मिलकर उनसे मारपीट की और उनके गले में पहनी सोने की चेन व जेब में रखे 20 हजार रुपए झपट लिए।

एसडीओपी बोलीं- केस दर्ज कर जांच शुरू की: इस मामले में एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि फरियादी ने मारपीट और सोने की चेन व नगद रुपए झपटने का आरोप लगाया है। उनकी शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने ...

प्रहलाद पटेल की माताजी के निधन पर गोटेगांव पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम (मध्य स्वर्णिम)।

मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल की माताजी स्व. श्रीमती यशोदा बाई पटेल जी के देवलोकगमन के उपरांत राज्यसभा सांसद माया नारोलिया श्रीधाम गोटेगांव स्थित उनके निवास पहुंचीं। उन्होंने दिवंगत आत्मा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

इस अवसर पर श्रीमती नारोलिया ने कहा कि मां का साया जीवन से उठ जाना हृदय में ऐसी शून्यता छोड़ जाता है, जिसे कोई शब्द भर नहीं सकते।

सरकारी हॉस्टल के 74 दिव्यांग बच्चों का टेस्ट

पिपरिया। पिपरिया में गुरुवार को सरकारी बालक हॉस्टल में ब्लॉक स्तरीय दिव्यांग चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सरकारी स्कूलों की कक्षा पहली से आठवीं तक के 74 दिव्यांग छात्रों का जांच किया गया। इनमें से 30 बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिह्नित किया गया है। शिविर प्रभारी हर्ष मेहर ने बताया कि सभी 74 बच्चों ने शिविर में भाग लिया। प्रत्येक बच्चे को परिवहन के लिए 50 रुपए नकद दिए गए और भोजन भी वितरित किया गया। बीआरसी प्रदीप शर्मा के अनुसार, शिविर के आयोजन से पहले ब्लॉक के सभी स्कूल स्टाफ को सूचित किया गया था। शिविर में जिला चिकित्सक दल और एलिम्को का चिकित्सक दल उपस्थित रहा। डॉक्टरों ने 30 बच्चों को उपकरणों के लिए चिह्नित किया और अन्य सभी का मेडिकल टेस्ट किया गया।

सांसद मेले में केंद्रीय संचार ब्यूरो, भोपाल की चित्र प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

नर्मदापुरम (मध्य स्वर्णिम)।

ज़िले के पिपरिया के मंडी प्रांगण में 05 अक्टूबर से प्रारंभ हुए सांसद मेले में केंद्र सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत आने वाले केंद्रीय संचार ब्यूरो, भोपाल द्वारा लगाई गई चित्र प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। रविवार को इस चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन लोक निर्माण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, सांसद चौधरी दर्शन सिंह और राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया और अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया था।

चित्र प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी में हाल ही में किए गए सुधारों, पोषण माह, स्वच्छता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष और विकसित भारत पर विस्तार से जानकारी दी गई है। प्रदर्शनी का प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अवलोकन कर रहे हैं और इसमें दी गई जानकारी का लाभ उठा रहे हैं। प्रदर्शनी में स्वच्छता पर आधारित एक सेल्फी बूथ भी लगाया गया है जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शनी में तीन दिन गीत एवं नाटक पर भाग के पंजीकृत दलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

करवा चौथ पर्व के अवसर पर बाजार रंगों और रौनक से जगमगा उठा

जमकर हुई करवा-सिंदूर बिक्री, चूड़ी-साड़ी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़

सिवनी मालवा (मध्य स्वर्णिम)।

सिवनी मालवा में करवा चौथ पर्व के अवसर पर गुरुवार को बाजार रंगों और रौनक से जगमगा उठा। सुबह से ही बाजारों में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिन्होंने त्योहार की तैयारियों के लिए जमकर खरीदारी की। सुहागिन महिलाओं ने साज-सज्जा का सामान, सिन्दूर, चुनरी, करवा, छलनी, पूजा थाल, मिठाइयां, चूड़ियां और साड़ियां खरीदीं।

बाजार की गलियां महिलाओं की चहलकदमी से गुलजार रहीं, और कॉस्मेटिक, साड़ियों के शोरूम तथा ज्वेलरी की दुकानों पर दिनभर भीड़ बनी रही। कपड़ा बाजार के व्यापारी श्रीधर अग्रवाल ने बताया कि इस साल करवा चौथ पर बाजार में अच्छी रौनक है, और बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा कि महिलाएं विशेष रूप से डिजाइनर साड़ियां, चूड़ियां, बिंदी और साज-सज्जा का सामान खरीद रही हैं, तथा पिछले साल की तुलना में ग्राहक संख्या भी अधिक रही है। त्योहार का मुख्य आकर्षण करवा भी बाजारों में खूब बिका। पिछले 30 वर्षों से करवे बेच रहे दुकानदार भगवान दास ने बताया कि महंगाई बढ़ने के बावजूद ग्राहकों की संख्या बहुत है। उनके पास 30 रुपये से लेकर 100 रुपये तक के करवे उपलब्ध थे, जिनकी बिक्री अच्छी रही।

खरीदारी करने आईं शिवानी वर्मा ने बताया कि करवा चौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सुहागिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और चंद्रमा के दर्शन के बाद पति के हाथों से जल ग्रहण कर व्रत तोड़ती हैं। त्योहार के मौके पर मिठाइयों की दुकानों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। लड्डू, पेड़ा, बरफी और खासकर करवा चौथ स्पेशल मिठाइयां लोगों ने जमकर खरीदीं। मिठाई व्यापारी श्याम अग्रवाल ने बताया कि त्योहारों के समय मिठाई की बिक्री कई गुना बढ़ जाती है, क्योंकि लोग पूजा के बाद विशेष थाल सजाकर मिठाई वितरित करते हैं।

दुपट्टे से बने फंदे पर लटकी मिली युवती

नोट में लिखा- जिंदगी से थक गई, मेरी मौत की जिम्मेदार मैं खुद

नर्मदापुरम (मध्य स्वर्णिम)।

नर्मदापुरम शहर की विनायक रेजिडेंसी में 24 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार दोपहर उसका शव कमरे में दुपट्टे से बने फंदे पर लटका मिला। मृतका के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है- जिंदगी से मैं थक गई हूं, मेरी मौत की जिम्मेदार मैं खुद हूं। पुलिस के मुताबिक मृतका अंजली कहार (24) पिपरिया की रहने वाली थी और होम प्रोडक्ट बनाने वाली दुकान में काम करती थी। वह विनायक रेजिडेंसी के कमरे नंबर 93 में किराए से रहती थी।

थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि अंजली के साथ काम करने वाले दोस्त संध्या और मनीष भी उसी बिल्डिंग में दूसरे कमरों में रहते हैं। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे दोनों काम पर चले गए थे, उस समय अंजली के कमरे का दरवाजा बंद था।दोपहर 2 बजे लौटे तो दरवाजा अब भी बंद था। काफी देर तक आवाज देने पर भी जवाब न मिलने पर उन्होंने पुलिस और परिजनों को सूचना दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को पांच दिनों तक विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक दी गई जानकारी

कृषि सखियों के लिए पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

नर्मदापुरम (मध्य स्वर्णिम)।

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर में परियोजना संचालक आत्मा के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अंतर्गत आयोजित. पाँच दिवसीय प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से माखन नगर, नर्मदापुरम, केसला एवं सिवनी मालवा विकासखंडों के चयनित क्लस्टर की कृषि सखियों के लिए आयोजित किया गया था।

इसका मुख्य उद्देश्य कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक तकनीकों, विधियों और प्रबंधन उपायों से परिचित कराना तथा उनके माध्यम से ग्राम स्तर पर प्राकृतिक कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को पाँच दिनों तक विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इनमें मुख्य रूप से प्राकृतिक खेती की अवधारणा एवं सिद्धांत के बारे में विस्तृत जानकारी के बारे में बताया गया, जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत एवं नीमास्त्र जैसे जैविक उत्पादों का निर्माण एवं उपयोग, स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उपाय, कीट एवं रोग प्रबंधन में जैविक विधियों का प्रयोग, प्राकृतिक खेती उत्पादों के विपणन एवं मूल्य संवर्धन की रणनीतियाँ, प्रशिक्षण के दौरान कृषि सखियों को प्रयोगात्मक तौर पर जैविक घोलों की निर्माण विधि, खेत प्रबंधन के तरीके तथा फसल संरक्षण के लिए प्राकृतिक उपायों का अभ्यास भी कराया गया।

प्रशिक्षण में दो दिवस मनोहर प्राकृतिक खेती फार्म सुहागपुर एवं मुकुंदलीला जैविक फार्म पर प्राकृतिक खेती से जुड़ी जानकारी, IFS मॉडल , निर्माण इकाई, फसल विविधीकरण आदि की जानकारी एवं प्राकृतिक उत्पादों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रियंका त्रिपाठी (सहायक संचालक कृषि), गोविंद मीना (उप परियोजना संचालक आत्मा) तथा डॉ. संजीव कुमार गर्ग (प्रभारी, कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर) उपस्थित रहे।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में रासायनिक कृषि के दुष्प्रभावों को देखते हुए प्राकृतिक खेती ही टिकाऊ कृषि का भविष्य है। कृषि सखियाँ इस ज्ञान को गाँव-गाँव तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान रमेश मेहरा एवं प्रदीप वर्मा ने भी अपने-अपने खेतों में अपनाई गई प्राकृतिक खेती की तकनीकों और उनसे प्राप्त सकारात्मक परिणामों को साझा किया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से न केवल उत्पादन लागत में कमी आई है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को थमाया था नोटिस

कांग्रेसी नोटिस के जवाब में मानहानि का नोटिस पहुचाएंगे

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

कांग्रेस संगठन सृजन के तहत विधायक महेश परमार को उज्जैन जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद पार्टी के अंदर विरोध के सुर तेज हो गए थे। सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर विरोध जताने वाले 50 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति ने नोटिस जारी किए हैं। सभी से 15 दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। वाट्सएप, सोशल मीडिया के माध्यम से नोटिस प्रसारित करवाकर उज्जैन के सच्चे कांग्रेस के सिपाही की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसका जवाब उचित तरीके से दिया जाएगा।

कांग्रेस के सच्चे सिपाहियों की छवि धूमिल करने वाले कुंठित पदाधिकारियों के खिलाफ मानहानि का नोटिस जारी किया जाएगा। इसको लेकर नोटिस मिलने के बाद विरोध करने वाले कांग्रेसियों ने अब नोटिस जारी करने वाले कांग्रेस के उच्च पदाधिकारियों को मानहानि के नोटिस भेजने का मन बनाया है। दीपक मेहरे ने बताया कि अनुशासनहीनता के जो नोटिस भेजे गए वे उन्हें भेजे गए जो राहुल गांधीजी के आंदोलन वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए यात्रा निकाल रहे थे।

वाट्सएप, सोशल मीडिया पर भेजे गये इन नोटिसों के विरोध में पूर्व विधायक डॉ. बटुकशंकर जोशी, महेश सोनी, मुरली मोरवाल, चेतन यादव, आजाद यादव, माया राजेश त्रिवेदी, हेमंति सह चौहान, विक्की यादव, नाना तिलकर, तबरेज खान, रमेश परिहार, दिनेश शर्मा तराना, कय्यूम नागौरी महिदपुर, धीरजसिंह परमार घट्टिया, कैलाश बिसेन, राजेंद्र कुवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक हुई।

डिजायर कार ने माधव कॉलेज भृत्य को मारी थी टक्कर

ट्रिब्यूनल कोर्ट का फैसला : एक्सीडेंट में मृतक के परिजनों को 81 लाख मुआवजा

उज्जैन के माधव कॉलेज में कार्यरत भृत्य की कार एक्सीडेंट में मौत के मामले में इंश्योरेंस कम्पनी के खिलाफ उज्जैन ट्रिब्यूनल ने फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने मौत को सीधे दुर्घटना की चोटों से जोड़ते हुए कार चालक की पूर्ण जिम्मेदारी तय की और मृतक की मां और बेटे को 81 लाख रुपए ब्याज सहित दो महीने में देने का आदेश दिया है।

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

मामले की कोर्ट में पैरवी करने वाले एडवोकेट कैलाशचंद्र पाटीदार और आदित्य पाटीदार ने बताया कि मनोज कुमार ठाकुर 12 नवंबर 2022 को कॉलेज के बाद रुकमणि पेट्रोल पंप के सामने मोड़ पर से होते हुए घर जा रहे थे। इस दौरान मारुति स्विफ्ट डिजायर कार (नंबर एमपी-13-सीई-1506) के चालक विशाल पाटीदार ने मनोज की मोटरसाइकिल (नंबर एमपी-13-एफएम-3186) को जोरदार टक्कर मारी दी। घटना में सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें लगने से उनका लंबा इलाज चला।

सिविल अस्पताल उज्जैन और अन्य चिकित्सालयों में संघर्ष के बावजूद 2 फरवरी 2023 को उनकी मौत हो गई। चिमनगंज मंडी थाने की एफआईआर (क्राइम नंबर 757/2022) के आधार पर चालक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। मृतक का पत्नी से तलाक हो चूका था। इसलिए मृतक की मां कलाबाई (67) और बेटे अथर्व (12,नाबालिग) ने कोर्ट में केस दाखिल किया था।

द्वितीय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उज्जैन ने क्लेम प्रकरण संख्या 189/2023 में मृतक मनोज कुमार ठाकुर के परिजनों को ब्याज सहित 81 लाख रुपए की भारी-भरकम क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने का आदेश जारी किया है। यह राशि यूनिवर्सल सोम्पो

जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को अनिवार्य रूप से भुगतान करने के आदेश दिए हैं, जिसमें 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर भी देना होगी। लगभग 81 लाख रुपयों का मुआवजा राशि का आदेश हुआ जारी यदि कंपनी दो महीने के अंदर राशि का भुगतान करने में विफल रहती है, तो आदेश की तारीख से 9 प्रतिशत की दर से दंडात्मक ब्याज लगेगा।

अदालत ने 81 लाख 44 हजार 255 रुपए की राशि ब्याज के साथ स्वीकृत की, जिसको कलाबाई को 30 प्रतिशत (लगभग 21 लाख 43 हजार रुपए), जिसमें 20 प्रतिशत नकद और 10 प्रतिशत तीन वर्ष की एफडी। वहीं अथर्व को 70 प्रतिशत (लगभग 50 लाख रुपए), जिसमें 20 प्रतिशत पांच वर्ष, 20 प्रतिशत सात वर्ष और 30 प्रतिशत दस वर्ष की एफडी के माध्यम से मिलेगी। उसके बालिग होने के बाद पूर्ण राशि मिल सकेगी।

महिला से अनैतिक कृत्य करने वाला आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। शादी का झांसा देकर महिला से दो साल तक अनैतिक काम करने और फिर विवाह का दबाव डालने पर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कुछ दिनों पहले उज्जैन में रहने वाली महिला ने थाना नीलगंगा पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि गौरव पिता प्रकाश नायक ने शादी का झांसा देकर दो वर्षों तक उससे साथ अनैतिक कार्य किया। विवाह का दबाव डालने पर आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की, जिससे उसे चोटें आई और जान से मारने की धमकी दी। पूर्व में भी आरोपी ने इसी प्रकार संबंध बनाए थे। इस पर थाना नीलगंगा में आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है। महिला संबंधी अपराध को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी नीलगंगा निरीक्षक तरुण कुरील द्वारा तत्काल घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए संभावित ठिकानों पर दबिश दी और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गौरव पिता प्रकाश नायक उम्र 40 वर्ष निवासी वररुचि मार्ग, फ्रीगंज, उज्जैन को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें घटना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। पुलिस द्वारा कार्रवाई पूर्ण कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से माननीय न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को जेल भेजा गया।

तलाकशुदा है महिला : नीलगंगा टीआई तरुण कुरील ने बताया कि महिला तलाकशुदा है और उज्जैन में ही प्राइवेट जॉब करती है, जबकि आरोपी गौरव नायक प्रॉपर्टी का काम करता है और उसका उस क्षेत्र में आना-जाना था।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मुख्यमंत्री आज करेंगे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की नवीन नामपट्टिका का अनावरण

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव विक्रम विश्वविद्यालय के 69वे आधारशिला दिवस पर नवीन नामकरण पट्टिका सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय,उज्जैन का अनावरण शुक्रवार प्रात: 11 बजे करेंगे। इस अवसर पर विदर्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन विवि परिसर और स्वर्ण जयंती सभागार में प्रारंभ होकर सम्पन्न होंगे। कुलगुरु प्रो.अर्पण भारद्वाज ने बताया कि विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव अपनी मातृ शिक्षण संस्था के नवीन नाम की नामकरण पट्टिका का अनावरण करेंगे,यह बात इतिहास बन जाएगी। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय की आधारशिला वर्ष- 1956 में कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को रखी गई थी। उन्होने बताया कि अतिथियों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के मूर्तिशिल्प का अभिषेक तथा पूजन होगा। राष्ट्रीय छात्र सैनिकों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। पश्चात अतिथियों द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार में सरस्वती पूजन होकर कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम अन्तर्गतत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं पुस्तक विमोचन भी होगा। कार्यक्रम में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा,सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज,प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल,उच्च शिक्षा मंत्री इन्दरसिंह परमार के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन होगा।

आउटसोर्स कर्मियों का आधा वेतन हड़पने वाली कंपनी की अब खैर नहीं

उज्जैन। खेल विभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों के खुलेआम हो रहे शोषण के मामले को लेकर श्रम विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। सहायक श्रमायुक्त ने इस मामले की अपने स्तर से जाँच शुरू करवा दी है। इसके लिए अलग से अधिकारी तैनात कर दिया गया है। इधर, खेल विभाग के अधिकारियों की इस मामले में अब तक चुप्पी नहीं टूटी है। ज्ञात रहे, खेल विभाग ने प्रदेश भर के खेल मैदानों में कर्मचारी रखने के लिए एक निजी कंपनी, संध्या सिक्योरिटी, को ठेका दिया है। कंपनी ने प्रदेश भर के कई जिलों में करीब 150 युवाओं को काम पर रखा। इन कर्मचारियों के मानदेय के नाम पर कंपनी ने खेल विभाग से 12 और 16 हजार रुपए लिए। इसमें से आधा कर्मचारियों को, यानी 6 और 10 हजार रुपए, मानदेय चुकाकर कंपनी जमकर मुनाफा कमाने में लगी है। यह बात श्रम विभाग के संज्ञान में आते ही उन्होंने अपने स्तर से इसकी छानबीन शुरू करवा दी। जाँच में गड़बड़ी साबित होने पर श्रम विभाग ने कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी भी कर ली है। इधर, विभागीय स्तर पर भी संबंधित कंपनी का वेरिफिकेशन शुरू हो चुका है। सहायक श्रमायुक्त राखी जोशी के अनुसार, आउटसोर्स कर्मचारियों को निजी कंपनी द्वारा कम और कई महीनों तक वेतन नहीं देने के मामले में जाँच शुरू करवा दी गई है। इसके लिए अलग से अधिकारी नियुक्त कर दिए गए हैं। जाँच में गड़बड़ी मिलेगी तो कानूनी कार्रवाई भी करेंगे।

दिव्यांगजन स्थापित करेंगे नए आयाम

उज्जैन। म.प्र. राज्य इकाई भोपाल के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा अंतर्गत दिव्यांगजन के लिए विशेष प्रशिक्षण सीईओ एसआरएलएम एवं सीईओ जिला पंचायत के मार्गदर्शन में आरसेटी उज्जैन द्वारा दिव्यांगजनों के लिए पिछले सप्ताह सामान्य उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनआरएलएम के सहयोग से चयनित प्रशिक्षणार्थियों को सेवा पखवाड़ा के दौरान ग्रामीण दिव्यांगों को स्वरोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 21 दिव्यांगों द्वारा भाग लिया गया। दोनों प्रशिक्षण सत्रों में कुल 37 दिव्यांगजन सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। विदित हो कि इस प्रशिक्षण का शुभारंभ बड़नगर क्षेत्रीय विधायक जितेन्द्र पंड्या द्वारा किया गया था द्यइस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हर्बल अगरबत्ती, शैंपू, फिनायल, नील, वाशिंग पाउडर , अगरबत्ती आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया द्य यह सभी उत्पाद दिव्यांग साथी घर पर बैठकर ही बना सकते हैं तथा इनकी माँग हमेशा बनी रहती है।

भगवान महाकाल का भांग, ड्रायफ्रूट और तिलक से दिव्य किया श्रृंगार

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध,दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत पूजन किया। हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल को भांग ड्रायफ्रूट और तिलक से दिव्य श्रृंगार किया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भगवान महाकाल का भांग ड्रायफरूट और आभूषण के साथ फूलों से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भस्म अर्पित करने के पश्चात शेषनाग का रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला अर्पित की। गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण किये भगवान महाकाल ने। फल और मिष्ठान का भोग लगाया भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी।

ठंड की दस्तक : सीजन में पहली बार रात का पारा 19 डिग्री पर

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

मानसून की विदाई के बीच सुबह-शाम ठंड ने दस्तक दे दी है। सीजन में पहली बार बुधवार की रात का पारा 19 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग भोपाल के अनुसार पश्चिम मानसून की वापसी रेखा वैरावल, भरूच, उज्जैन और झांसी से गुजर रही है। मप्र, उप्र के साथ महाराष्ट्र के कुछ भागों में दक्षिण-पश्चिमी मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। बुधवार को सुबह हल्के बादल छाए रहे। ठंडी हवा भी महसूस की गई।

गत वर्ष नवंबर के दूसरे सप्ताह में ठंड की शुरुआत हुई थी। शासकीय जीवाजी वेधशाला के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री रहा, जो कि मंगलवार के अधिकतम तापमान 31.4 से 0.4 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहा, जो मंगलवार के न्यूनतम तापमान 21 डिग्री से 2 डिग्री कम है। आर्द्रता सुबह 79 और शाम को 40 फीसदी रही। हवा

की रफ्तार सुबह-शाम 4-4 किलोमीटर रही। 1 सितंबर से अब तक शहर में 11 मिमी बारिश हुई है। उज्जैन में नवंबर की शुरुआत से लेकर फरवरी, मार्च के पहले सप्ताह तक मौसम ठंडा रहता है। ठंडी हवा चलती है। दिन के साथ रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जाती है। सबसे ठंडा समय प्राय: दिसंबर और जनवरी महीने होते हैं।

उज्जैन में होगा राज्य स्तरीय बालरंग समारोह का आयोजन

उज्जैन। विद्यार्थियों में सांस्कृतिक, साहित्यक एवं योग प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक शिक्षण संभाग उज्जैन के तत्वावधान में राज्य स्तरीय बालरंग समारोह 2025 का आयोजन 13 अक्टुबर को उज्जैन में किया जा रहा है। बालरंग समारोह को सफल बनाने के लिए संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संभाग उज्जैन सुश्री रमा नाहटे की अध्यक्षता में विभिन्न समितियों का गठन कर एक बैठक आयोजित की गई। प्रचार प्रसार समिति के अमितोज भार्गव एवं संजय लालवानी ने बताया कि बैठक में संयुक्त संचालक सुश्री रमा नाहटे एवं वैधशाला अधीक्षक डॉ. आर.पी. गुप्त ने विभिन्न समिति संयोजक एवं सदस्यों से वन टु वन चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बीकानेर-साईनगर-शिर्डी ट्रेन के रूट में बदलाव

कोटा-सोगरिया-गुना-बीना-निशातपुरा-भोपाल होकर चलेगी, सीकर में 5 मिनट होता है ठहराव

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

पश्चिम रेलवे के द्वारा उज्जैन स्टेशन पर 11 से 15 अक्टूबर तक यार्ड रिमॉडलिंग का काम किया जाएगा। ऐसे में कई ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। इनमें सीकर के रास्ते चलने वाली बीकानेर-साईनगर शिर्डी-बीकानेर ट्रेन भी शामिल है। 11 और 12 अक्टूबर को ये बदले हुए रूट से चलेंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार गाड़ी संख्या 04715,बीकानेर-साईनगर-शिर्डी ट्रेन 11 अक्टूबर को बीकानेर से रवाना होने के बाद बदले हुए रूट कोटा-सोगरिया-गुना-बीना-निशातपुरा-भोपाल होकर संचालित होगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 04716,साईनगर-शिर्डी-बीकानेर ट्रेन 12 अक्टूबर को साईनगर शिर्डी से रवाना होने के बाद भोपाल निशातपुरा-बीना-गुना-सोगरिया-कोटा होकर संचालित होगी।

सीकर स्टेशन पर 5 मिनट होता है ठहराव

इन दोनों ही ट्रेन का उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा। बता दें कि ये दोनों ट्रेन सीकर स्टेशन के रास्ते होकर चलती हैं। इन ट्रेनों का सीकर स्टेशन पर 5 मिनट के लिए ठहराव भी होता है।

उज्जैन जनपद अध्यक्ष श्रीमती चौधरी की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

शासन की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुचानें के दिए निर्देश

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

उज्जैन जनपद पंचायत की अध्यक्ष भंवर बाई चौधरी की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक गुरुवार को सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ हितग्राहियों को पहुँचाया जाएं। बैठक में विभागवार शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिएं।

बैठक में चार विभागों के अधिकारी किन्हीं कारणवश अनुपस्थित रहने पर जनपद अध्यक्ष चौधरी ने जनपद सीईओ यादव को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में जनपद अध्यक्ष श्रीमती भंवर बाई चौधरी ने अनुपस्थित अधिकारियों पर नाराजगी प्रकट करते हुए निर्देश दिए है कि आगामी बैठक में सभी अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित विकास कार्यों एवं शासन की योजनाओं की क्रियान्वयन के बारे में जानकारी दी। बैठक में जनप्रतिनिधियों के द्वारा क्षेत्र में चल रहे कार्यों की जानकारी चाहने पर अधिकारियों ने संतोषजनक उत्तर दिए। बैठक में जनपद अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि दीपक चौधरी ने अधिकारियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में जनपद सदस्य कान्हा पटेल, राजेन्द्र सिंह, शांतिलाल, श्यामू बाई, मोहम्मद सादिक मेव, बीबी कुदरत पटेल, श्यामकुंवर बाई, संगीता बाई, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप यादव तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित थे। बैठक के अंत में आभार दिलीप मीणा द्वारा व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री आज करेंगे तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कान्फ्लुएंस का शुभारंभ

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में तीन दिवीय यंग थिंकर्स कान्फ्लुएंस 10 से 12 अक्टूबर तक होगी। इसका शुभारंभ शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव करेंगे। इस वैचारिक कुंभ के उद्घाटन सत्र में फिल्म काश्मीर फाईल्स के निदेशक विवेक रंजन अग्निहोत्री भी बौद्धिक देंगे। आयोजन से जुड़े आदेश शिंदे ने जानकारी देते हुए बताया कि बौद्धिक,चिंतनशील और जिज्ञासु युवाओं के मंच,यंग थिंकर्स फोरम द्वारा यंग थिंकर्स कान्फ्लुएंस के आठवें संस्करण का तीन दिवसीय आयोजन उज्जैन में होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इसका शुभारंभ शुक्रवार को करेंगे। अवंतिका विश्वविद्यालय में आयोजित इस वैचारिक कुंभ में विभिन्न राज्यों के चयनित 400 युवा सहभागिता करेंगे।

क ा न्फ लु ए ंस वोकिज्म,डीप स्टेट, भारत की भारतीय अवधारणा, परिवार व्यवस्था और विकसित भारत सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इस हेतु देश के प्रसिद्ध वक्ता, विशेषज्ञ, विचारक, लेखक और विद्वानों को आमंत्रित किया गया है।

प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मप्र जोड़ीदार राज्य : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश को ?74,300 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए व्यवस्थाओं को सरल बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत इस वर्ष सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, भोपाल के दौरान 18 नई नीतियां लागू की गईं। सरलीकृत की गई व्यवस्थाओं के कारण मध्यप्रदेश में तेज गति से निवेश आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के उद्यमियों से मध्यप्रदेश में निवेश का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जोड़ीदार राज्य हैं। अतीत के गौरवशाली पृष्ठ को देखें तो महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश का गहरा संबंध रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुम्बई में 'इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्चुयुनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स इन मध्यप्रदेश' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापारियों को नई पॉलिसियों का लाभ दिया जा रहा है। बिजनेस और निवेश को लेकर निरंतर सीसीआई की बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रदेश में संभागीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर छोटे शहरों को इंडस्ट्री से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज इस सत्र के माध्यम से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में ?19,900 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश एवं अन्य सभी सेक्टर्स में 54,400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 74,300 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम में सन फार्मा के अध्यक्ष दिलीप सांघवी, सीआईआई के अध्यक्ष नील सी. रहेजा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), ईसीजीसी सृष्टिराज अम्बष्ठा, हिंडाल्को के प्रबंध निदेशक सतीश पाई, हेत्तिच (Hettich) के प्रबंध निदेशक आंद्रे एकहोल्ट, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (एमडी एवं सीएफओ), आईपीसीए लैब अजीत कुमार जैन और एफआईईओ के उपाध्यक्ष रविकांत कपूर विशेष रूप से मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवाजी महाराज और प्रदेश के सिंधिया, होल्कर, पवार इतिहास के उस दौर में भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। उज्जैन में बाबा महाकाल की ध्वजा जिस शान से लहराती है, उसके अतीत में शिवाजी महाराज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में संबंध अधिक सशक्त होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मुंबई में 'इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूमनिटीज इन मध्य प्रदेश' कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत की आर्थिक राजधानी में उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ हमारा यह संवाद सत्र अत्यंत सकारात्मक और परिणामोन्मुखी रही। महाराष्ट्र की औद्योगिक विशेषज्ञता और मध्यप्रदेश की 'अनंत संभावनाएं' मिलकर देश की प्रगति को नई गति देंगे। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र के निवेशकों को मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में जोड़ना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज के इस इंटरेक्टिव सत्र का मुख्य उद्देश्य था नर्मदापुरम जिले के मोहासा-बाबई में स्थित, भारत के पहले अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन फॉर पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट के बहुप्रतीक्षित फेज़ 2 में निवेश आकर्षित करना।

55 वर्षों तक मध्य प्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस ने ओबीसी की कभी सुध नहीं ली : कृष्णा गौर

भोपाल। मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सियासत जारी है। भाजपा और कांग्रेस श्रेय लेने एक दूसरे पर लगातार आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। अब मंत्री कृष्णा गौर ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में चल रही सुनवाई पर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं पर ओबीसी आरक्षण को लेकर चल रही सुनवाई को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद मध्य प्रदेश में 55 वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस ने अन्य पिछड़ा वर्ग की कभी सुध नहीं ली।

कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की कभी मंशा ही नहीं थी कि ओबीसी वर्ग को उसका हक मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ईमानदार और सकारात्मक प्रयासों से ओबीसी को उसका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी मामले में कांग्रेस पार्टी जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। गौर ने कहा कि सच तो यह है कि ओबीसी वर्ग को लेकर गठित कालेलकर आयोग की रिपोर्ट और मंडल कमीशन की रिपोर्ट दबाने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया था। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की मांग भारतीय जनता पार्टी लगातार करती आ रही थी, लेकिन सत्ता के मद में मदहोश कांग्रेस पार्टी ने कभी भी राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया।

गौर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ओबीसी वर्ग को मुख्य धारा से दूर रखने का कार्य किया। केंद्र की भाजपा सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. रतन टाटा की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'पद्म विभूषण' से सम्मानित महान उद्योगपति स्व. रतन टाटा की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. रतन टाटा ने, न केवल भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि अपने दूरदर्शी नेतृत्व, मानवीय संवेदना और अटूट देशप्रेम से स्वयं को प्रेरणा-पुरुष के रूप में स्थापित किया। उनका योगदान और सरल व्यक्तित्व भारतीय उद्योग जगत में सदैव स्मरणीय रहेगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय अब जोहो मेल पर

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आम नागरिकों की सुविधा के लिये अपना स्वदेशी ई-मेल जोहो अकाउंट जारी किया है। इसके लिये उन्होंने नागरिकों से स्वदेशी मेल अपनाकर उनसे जुड़ने का अनुरोध किया है। इसके लिये उन्होंने एक अपील भी जारी की है। हम रिश्तों के धागों से बंधे हैं। आपसे जुड़ाव ने हमेशा मुझे ताकत दी है। आपके विचार, सुझाव और शुभकामनाएं मेरे काम को दिशा देते रहे हैं। अब इस संवाद को और सहज बनाए रखने के लिए मैंने 5oho mail अपनाया है। आप मुझसे सीधे ईमेल के जरिए संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए मेरा नया ई-मेल अकाउंट kailashvijayvargiya @zohomail.in है। आपके भरोसे और साथ के लिए मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

आतिशबाजी के क्रय-विक्रय एवं उपयोग के संबंध में बैठक में आज

भोपाल। दीपावली त्यौहार पर आतिशबाजी के क्रय - विक्रय एवं उसके उपयोग के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित कराने एवं विस्फोटक अधिनियम 2008 अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए 10 अक्टूबर को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट भोपाल ने बताया कि बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी को उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

इंदौर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने विभाग ने बनाई मोडिफाई बाइक, साउंड सिस्टम

इन्दौर। शहर में यातयात के सुधार और चाहे जब चाहे जहां लगने वाले जाम की समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष उपकरणों से लैस एक दो पहिया वाहन तैयार किया गया है जिसे शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही विभाग द्वारा पिछले दिनों हुए ट्रक हादसे व अन्य दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विभिन्न चौराहों को भी चिन्हित किया गया है। यातायात विभाग द्वारा मोडीफाई की गई अपनी इस बाइक को विशेष उपकरणों से लैस करने के साथ ही इसमें साउंड सिस्टम माइक, वायरलेश सिस्टम, प्राथमिक उपचार की मेडिकल किट लगाई गई हैं जिन्हें किसी भी तरह की इमरजेंसी में उपयोग किया जा सके। डीसीपी आनंद कालादगी के अनुसार अभी इस एक बाइक की टेस्टिंग की गई है आने वाले समय में 11 अन्य बाइक जो विभाग के पास है उनको भी इसी तरह तैयार कर विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा ताकि शहर का यातायात बेहतर हो सके।

संसदीय प्रणाली को और मजबूती देने के लिये युवाओं को किया जाए जागरूक

भोपाल। पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में गुरूवार को युवा संसद प्रभारियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विद्यालयों तथा भोपाल के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 70 युवा संसद प्रभारी शामिल हुए। कार्यक्रम में संचालक संसदीय विद्यापीठ एवं अपर सचिव संसदीय कार्य विभाग ने कहा कि देश की संसदीय व्यवस्था बहुत मजबूत है और इस व्यवस्था को और मजबूत करने के लिये हमें युवाओं को जागरूक करना होगा। केन्द्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शरद द्विवेदी ने बताया कि संसदीय प्रणाली की गरिमा को बनाये रखने के लिये युवाओं को जागरूक करने के साथ-साथ इसके बारे में जानकारी दी जाना चाहिए। संसदीय सलाहकार मध्यप्रदेश शासन देवेन्द्र वर्मा ने बताया कि संसदीय प्रणाली की जानकारी प्रत्येक नागरिक को होना चाहिए। उन्होंने बताया कि संसदीय कार्य विभाग विधानसभा एवं राज्य शासन के मध्य समन्वय की भूमिका निभाता है। सेवानिवृत्त अपर सचिव मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय पुनीत श्रीवास्तव ने विधानसभा की कार्यवाही के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा संसद में क्लिपिंग के माध्यम से प्रणाली के मुख्य बिन्दुओं को उदाहरण सहित बताया गया।

मध्यप्रदेश में है पर्यावरण और पर्यटन के बीच अद्भुत संतुलन, क्रिएटर्स दुनिया को दिखाए यहां का सौंदर्य : अपर मुख्य सचिव शुक्ला

मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट के अंतर्गत मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने किया एमपीटी इन्फ्लुएंसर मीट का आयोजन

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)। मध्यप्रदेश के अनछुए और दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने तथा पर्यटन को डिजिटल माध्यम से देशङ्कदुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'एमपीटी इन्फ्लुएंसर मीट' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भाग लिया।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

यहां पर्यावरण और पर्यटन के बीच अद्भुत संतुलन है, कॉन्टेंट क्रिएटर्स इस सौंदर्य को दुनिया के सामने लाएं। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने कहा कि टूरिज्म से अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है और रोजगार के अवसर सृजित होते हैं। क्रिएटर्स इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर दिल से घूमें और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से इन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाएं।

पैनल डिस्कशन में इन्फ्लुएंसर्स ने रखे विचार

प्रसिद्ध इंफ्लुएंसर सुस्वाति मुकुंद ने कहा कि मध्यप्रदेश वाकई बहुत खूबसूरत है। यहां के पारंपरिक परिधानों की बात ही अलग है। अपने संस्मरण को साझा करते हुए स्वाति ने कहा कि मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से वर्ष 2023 में पहली बार मैं चंदेरी गई, यहां प्राणपुर क्राफ्ट विलेज में मैंने इन परिधानों को बनते हुए देखा। कुछ वर्षों पहले तक यहां केवल 5-6 वाहनों से टूरिस्ट पहुंचते थे, आज वो संख्या 80-100 पहुंच गई है। मध्यप्रदेश और मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग का यह नवाचार सराहनीय है।

राजेन्द्र शुक्ल ने विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि सड़क निर्माण सहित अन्य सभी विकास के कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने करहिया मंडी से बनकुइंया तिराहा तक बनाई जा रही सड़क के शेष कार्य को आगामी 15 दिनों में पूर्ण करने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये। उन्होंने रतहरा तिराहे में जल भराव के कारण होने वाले व्यवधान को तत्काल दूर करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि रतहरा तिराहे में जल भराव स्थल से पानी की निकासी के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा फ्लाई ओवर के किनारे आवागमन मार्ग को चौड़ा करने का भी कार्य करायें। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम स्वनिधि योजना में 13.46 लाख हितग्राहियों को दिया गया 2 हजार 78 करोड़ का ऋण

ऋण राशि को भी बढ़ाया गया

शहरी पथ-विक्रेताओं को जोड़ा जा रहा है अन्य योजनाओं से भी

भोपाल। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में शहरी पथ-विक्रेताओं को अपना व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिये पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 13 लाख 46 हजार प्रकरणों में 2 हजार 78 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि भी दी गई है।

पीएम स्वनिधि में देश में पहले स्थान पर

केन्द्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन कर इसकी अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी है। पथ-विक्रेताओं को योजना का लाभ देने के मामले में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। प्रदेश के 3 नगरीय निकायों उज्जैन, खरगोन और सारणी को सर्वाधिक ऋण वितरण के लिये पुरस्कृत भी किया जा चुका है। पीएम स्वनिधि योजना में 42 अन्य नगरीय निकायों एवं बैंक शाखाओं का चयन उल्लेखनीय कार्य के लिये राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

हितग्राहियों को प्रशिक्षण

राज्य में पथ-विक्रेता योजना में सफलतापूर्वक काम कर सकें, इसके लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिये प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की है। हितग्राहियों को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, ई-कॉमर्स, पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का भी प्रशिक्षण दिलाया गया है। योजना में चयनित हितग्राहियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में भी वृद्धि की गयी है। योजना में पूर्व में 10 हजार के स्थान पर 15 हजार और 20 हजार के स्थान पर 25 हजार रुपये और अंतिम किश्त के रूप में 50 हजार रूपये की ऋण राशि दी जा रही है। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये हितग्राही को फुटकर लेन-देन पर 1200 रुपये और थोक व्यापार लेन-देन के लिये प्रतिवर्ष अधिकतम 400 रुपये तक कैश बेक की सुविधा दी जा रही है।

मप्र में दिन में तेज धूप, रात में हल्की ठंडक शुरू, पूर्वी जिलों में हल्की बारिश के आसार

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम ने करवट बदल ली है। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंडक का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले 2-3 दिनों में पूरे प्रदेश से मानसून की औपचारिक विदाई हो सकती है। हालांकि, पूर्वी हिस्सों में अगले तीन दिनों तक कहीं-कहीं बूंदाबांदी के आसार बने हुए हैं।

प्रदेश में कोई सक्रिय वर्षा प्रणाली नहीं

बुधवार को प्रदेश में कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 12 जिलों ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम और राजगढ़-अशोकनगर के कुछ हिस्सों से मानसून लौट चुका है। वर्तमान में प्रदेश में कोई सक्रिय वर्षा प्रणाली नहीं है।

तीन दिन तक धूप-छांव और बूंदाबांदी का मौसम

अगले तीन दिनों तक पूर्वी मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर जैसे शहरों में दिन में तेज धूप बनी रहेगी। रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। धार, इंदौर और राजगढ़ में न्यूनतम तापमान 17.6 से 17.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि भोपाल में यह 19.6, उज्जैन में 19, ग्वालियर में 22.1 और जबलपुर में 21 डिग्री दर्ज किया गया।

मंत्री टेटवाल ने कौशल प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं किया सम्मान

कौशल आत्मनिर्भरता, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन की शक्ति है : मंत्री टेटवाल

भोपाल (मध्य स्वर्णिम)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 9 राष्ट्रीय स्तरीय एवं 14 राज्य स्तरीय टॉपर्स को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कौशलम् प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह 2025 में कौशल उत्कृष्टता, नारी शक्ति और नवाचार का अद्भुत संगम देखने को मिला।

समारोह उन प्रतिभाशाली प्रशिक्षणार्थियों को समर्पित रहा जिन्होंने वर्ष 2025 की राष्ट्र स्तरीय आईटीआई परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया। प्रशिक्षणार्थियों के साथ उनके प्रशिक्षण अधिकारी एवं प्राचार्य को भी कौशलम् प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को समर्पित एक प्रेरक क्षण देखने को मिला जब राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कुमारी त्रिशा तावड़े को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित करने के साथ ही टीका लगाकर एवं आरती कर पूजन किया।

साथ ही पौधा भी भेंट किया। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण समाज को नई दिशा दे रहा है और यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 4 अक्टूबर-2025 को शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल की प्रशिक्षणार्थी त्रिशा तवडे को कौशल दीक्षांत समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया था।